संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 55
पृष्ठ 8
बुधवार
13 नवम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बच्चे की दूध की बोतल.... विचार- जम्मू कश्मीर में फिर ३७०.... खेल- बहुत गति और उछाल होगी...

अघाड़ी यानी भ्रष्टाचार के सबसे बड़े खिलाड़ी,महाराष्ट्र में बोले पीएम मोदी-

हमें कांग्रेस के इस षड्यंत्र का शिकार नहीं होना है

मुंबई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के चिमूर में विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान मोदी ने कहा कि महाराष्ट्र में चुनाव के क्या नतीजे आने वाले हैं, ये आप लोगों ने आज ही दिखा दिया है। ये जनसैलाब बता रहा है कि महाराष्ट्र में महायुति की भारी बहुमत से सरकार बनने जा रही है। उनोहंने कहा कि चिमूर की जनता ने और पूरे महाराष्ट्र ने ठान लिया है – भाजप – महायुती आहे, तर गती आहे। महाराष्ट्राची प्रगती आहे। उन्होंने कहा कि मैं आज महाराष्ट्र भाजपा को भी बधाई दूंगा, जिसने बहुत ही शानदार संकल्प पत्र जारी किया है। इस संकल्प पत्र में लाड़की बहनों के लिए, हमारे किसान भाई–बहनों के लिए, युवाशक्ति के लिए, महाराष्ट्र के विकास के लिए एक से बढ़कर एक शानदार संकल्प लिए गए हैं।

मोदी ने काह कि महायुति के साथ–साथ केंद्र में छव। की सरकार यानी महाराष्ट्र में डबल इंजन की सरकार, यानी विकास की डबल रफ्तार। महाराष्ट्र के लोगों पिछले 2.5 वर्षों में विकास की इस डबल रफ्तार को देखा है। आज महाराष्ट्र देश का वो राज्य है, जहां सबसे ज्यादा विदेशी निवेश हो रहा है। यहां नए एयरपोर्ट्स बन रहे हैं, नए एक्सप्रेस वे बन रहे हैं। आज महाराष्ट्र में करीब एक दर्जन वंदे भारत ट्रेन चल रही है, यहां के 100 से ज्यादा स्टेशनों के कायाकल्प किया जा रहा है, कई रेलमार्गों का विस्तार हो रहा है। भाजपा नेता ने कहा कि महायुति की सरकार किस स्पीड से काम करती है और ये अघाड़ी वालों की जमात कैसे कामों को रोकते हैं, चंद्रपुर के लोगों से बेहतर ये बात और कौन जानेगा। यहां के लोग दशकों से रेल कनेक्टिविटी की मांग कर रहे थे, लेकिन कांग्रेस और अघाड़ी वालों ने कभी भी ये काम होने नहीं दिया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र का तेज विकास, अघाड़ी वालों के बस की बात नहीं है। अघाड़ी वालों ने केवल विकास पर ब्रेक लगाने में ही पीएचडी की है। कामों को अटकाने, लटकाने और भटकाने में कांग्रेस वाले तो डबल पीएचडी हैं। 2.5 साल में इन्होने मेट्रो से लेकर, वधावन पोर्ट और समृद्धि महामार्ग तक हर विकास परियोजना को रोकने का काम किया। इसलिए याद रखिए अघाड़ी यानी भ्रष्टाचार के सबसे बड़े खिलाडी!

नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमारा जम्मू–कश्मीर दशकों तक अलगाववाद और आतंकवाद में जलता रहा। महाराष्ट्र के कितने ही वीर जवान मातृभूमि की रक्षा करते करते जम्मू–कश्मीर की धरती पर शहीद हो गए। जिस कानून की आड़ में, जिस धारा की आड़ में ये सब हुआ, वो धारा थी 370। ये धारा 370 कांग्रेस की देन थी। उन्होंने कहा कि हमने 370 को खत्म किया। कश्मीर को भारत और भारत के संविधान से पूरी तरह जोड़ा। लेकिन कांग्रेस और उसके साथी कश्मीर में फिर से 370 लागू करने के लिए प्रस्ताव पास कर रहे हैं। ये लोग वो काम कर रहे हैं जो पाकिस्तान चाहता है।

कांग्रेस का इतिहास टूटे वादों से भरा पड़ा है, हिमाचल की जनता से धोखा हुआ-अनुराग ठाकुर

मुंबई । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि पार्टी का इतिहास टूटे वादों से भरा पड़ा है और हिमाचल प्रदेश के लोग उसे सत्ता में लाकर इसकी कीमत चुका रहे हैं। महाराष्ट्र मे 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के वास्ते भाजपा के प्रचार अभियान के लिए अनुराग राज्य में मौजूद हैं। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि यदि वे महाराष्ट्र को बचाना चाहते हैं तो महायुति को वोट दें। भाजपा नेता ने पत्रकारों से बात करते हुए महायुति द्वारा किए गए विकास का उल्लेख किया और कहा कि ईमानदार शासन और निरंतर प्रगति चाहने वालों के लिए यह एकमात्र विकल्प है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हिमाचल प्रदेश के नागरिकों का विकास करने के वास्ते ''गारंटियों की लंबी सूची'' के साथ सत्ता में आई थी और इसके शासन के कई महीनों बाद भी लोग इन वादों के बारे में सोच रहे हैं कि ये कब पूरे होंगे। अनुराग ठाकुर ने कहा कि ऐसी एक भी पार्टी नहीं है जिसे कांग्रेस ने कभी ध ोखा नहीं दिया हो। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''कांग्रेस का इतिहास टूटे वादों और झूठे आश्वासनों से भरा पड़ा है और इस बार हिमाचल प्रदेश इसकी कीमत चुका रहा है।''

उन्होंने कहा कि कांग्रेस हिमाचल प्रदेश में सब्सिडी वाली बिजली, महिलाओं के लिए वित्तीय सहायता, सस्ता दूध और रोजगार सृजन का वादा करके सत्ता में आई थी। लेकिन कांग्रेस के शासन के कुछ महीनों बाद ही हिमाचल के लोग हैरान हैं कि ये वादे कहां चले गए। ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश में 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने का आश्वासन दिया था, लेकिन उसकी सरकार ने बिजली की खपत पर कर लगा कर भाजपा की 125 यूनिट मुफ्त बिजली देने की योजना को भी रोक दिया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के घोषणापत्र में महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपये की वित्तीय सहायता देने का वादा किया गया था, जिससे राज्य भर की 23 लाख महिलाओं को इसका लाभ मिलने का दावा किया गया था, लेकिन ठाकुर ने दावा किया कि जमीनी स्तर पर एक भी रुपया नहीं मिला है।

लोकसभा चुनाव के दौरान मोदी ने महाराष्ट्र में जहां-जहां रैलियां कीं, भाजपा वहां-वहां हारी-शरद पवार

जलगांव । राकांपा (शरदचंद्र पवार) सुप्रीमो शरद पवार ने प्रध ाानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा महाराष्ट्र की उन 10–12 सीटों पर हार गई, जहां पार्टी के शीर्ष नेता (मोदी) ने चुनावी रैलियों को संबोधित किया था। मोदी चुनाव प्रचार के लिए मंगलवार को महाराष्ट्र के दौरे पर हैं। उनका चंद्रपुर जिले के चिमुर, सोलापुर और पुणे में विभिन्न चुनावी रैलियों को संबोधि ात करने का कार्यक्रम है। जलगांव में संवाददाताओं से बातचीत में पवार ने प्रधानमंत्री की रैलियों से जुड़े सवाल पर कहा, "चुनावी रैलियों को संबोधि ात करना प्रधानमंत्री का अधि ाकार है। इस पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत नहीं है।"

उन्होंने कहा, "लेकिन एक बात ध्यान में रखिये, लोकसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री ने (महाराष्ट्र में) 16 रैलियों को संबोधि ात किया था और भाजपा उन 10–12 सीटों पर हार गई, जहां उन्होंने रैलियां की थीं। तो, उन्हें आने दीजिए।" इस साल संपन्न लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में भाजपा की सीटों की संख्या घटकर नौ रह गई। जबकि 2019 के लोकसभा चुनावों में पार्टी ने राज्य की 23 सीटों पर कब्जा जमाया था। पवार ने जाति आधारित राजनीति को बढ़ावा देने के महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे के आरोप को खारिज किया।

राकांपा (शरदचंद्र पवार) प्रमुख ने कहा, "उन्हें (राज ठाकरे) चुनाव से कुछ महीने पहले थोड़ा महत्व दिया जाता है। इसलिए, मैं उन्हें गंभीरता से नहीं लेता।" पवार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता रावसाहेब दानवे पर भी निशाना साधा, जिनका एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वह एक समर्थक को लात मारते हुए दिखे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने कार्यकर्ताओं के साथ किस तरह का व्यवहार करती है, यह सभी के सामने है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ महायुति और विपक्षी महा विकास आघाडी के बीच कांटे की टक्कर मानी जा रही है। महायुति में भाजपा, एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) शामिल हैं। वहीं, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) एमवीए के घटक दल हैं।

खड़गे के आतंकी वाले बयान पर सीएम का पलटवार, बोले-

मेरे लिए देश सबसे पहले, तुष्टिकरण की राजनीति करती है कांग्रेस

मुंबई कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे की आतंकवादी वाले बयान पर करारा जवाब देते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि वह एक योगी हैं और राष्ट्र उनकी प्राथमिकता है। आदित्यनाथ ने महाराष्ट्र के अचलपुर में एक रैली को संबोधि ात करते हुए कहा कि पिछले तीन दिनों से, मैं खड़गे जी की टिप्पणियाँ सुन रहा हूँ। मैं एक योगी हूं और मेरे लिए देश सबसे पहले है।श आपके लिए कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति पहले आती है।

योगी ने कहा कि अगर हम बंटे तो गणपति पूजा पर हमला होगा, लैंड जिहाद के तहत जमीनें हड़प ली जाएंगी, बेटियों की सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी। उन्होंने कहा कि आज यूपी में कोई लव जिहाद या लैंड जिहाद नहीं है। पहले ही घोषणा कर दी गई थी कि अगर किसी ने हमारी बेटियों की सुरक्षा में बाध ाा डाली, सरकारी और गरीबों की जमीन हड़पी तो श्यमराजश उनका टिकट काटने के लिए तैयार रहेंगे। उन्होंने कहा कि यूपी में माफिया थे और पिछली सरकार उनकी सुरक्षा करती थी। लेकिन अब ये सभी श्जहन्नुमश की राह पर हैं।

सोमवार को आदित्यनाथ पर बिना किसी रोक–टोक के हमला करते हुए, खड़गे ने कहा कि एक सच्चा योगी कभी भी ष्बटेंगे तो कटेंगेष जैसी टिप्पणियां नहीं करेंगा और इस भाषा का इस्तेमाल आतंकवादी करते हैं। हाल की राजनीतिक रैलियों के दौरान खड़गे की शुरुआती टिप्पणियों ने भी राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया था, जब उन्होंने बिना नाम लिए योगी आदित्यनाथ को टैग करते हुए कहा था, "कई नेता साधुओं के भेष में रहते हैं और अब राजनेता बन गए हैं। कुछ तो मुख्यमंत्री भी बन गये हैं। वे श्गेरुआश कपड़े पहनते हैं और उनके सिर पर बाल नहीं हैं... मैं भाजपा से कहूंगा, या तो सफेद कपड़े पहनें या, यदि आप संन्यासी हैं, तो श्गेरुआश कपड़े पहनें, लेकिन फिर राजनीति से बाहर हो जाएं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर बीजेपी नेता तरुण चुघ ने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे भारतीय संस्कृति का अपमान कर रहे हैं। भाजपा ने आतंकवादियों, भ्रष्टाचारियों, धोखेबाजों और लूट–खसोट करने वालों को बड़ा झटका दिया है। मुझे नहीं पता कि कांग्रेस का इन लोगों से क्या रिश्ता है. ऐसे तत्वों पर कार्रवाई होने पर कांग्रेस हताश क्यों हो रही है? बीजेपी नेता सिद्धार्थ नाथ ने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं और उन्होंने जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया है वह उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि गेरुआ वस्त्र पहनना बलिदान और भारतीय संस्कृति का प्रतीक है. इस प्रकार के नेता (यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ) केवल समाज को एकजुट करने और सनातन धर्म को आगे बढ़ाने के लिए आते हैं।

भारत को दुनिया का ड्रोन हब बनाने का लक्ष्य, दिल्ली डिफेंस डायलाग में बोले राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिल्ली डिफेंस डायलॉग को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में उन्होंने बताया कि भारत दुनिया का ड्रोन हब बनने का लक्ष्य लेकर

चल रहा है। यह न केवल भारतीय अर्थव्यवस्था को मदद करेगा बल्कि मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम में भा महत्वपूर्ण योगदान देगा। उन्होंने बताया कि सरकार ने भारत को दुनिया का ड्रोन हब बनाने के लिए कई पहल की है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, ष्हम पहले ही अनुसंधान और विकास कार्यकर्म को भरोसेमंद सर्टिफिकेशन प्रणाली से बेहतर करने की कोशिश कर रहे हैं। हमने आईडीईएक्स और एडीआईटीआई योजनाओं के माध्यम से नवाचार के लिए पुरस्कार भी शुरू किए हैं। ड्रोन और स्वार्म टेक्नोलॉजी युद्ध के तरीकों में मौलिक परिवर्तन ला रही है। इस विकास ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से युद्ध की समझ को पूरी तरह से बदल दिया है। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, ष्हम भारत से रक्षा वस्तुओं के बढ़ते निर्यात में भी अपने प्रयासों का फल देख रहे हैं। मौजूदा समय में भारत 100 देशों में रक्षा उपकरणों का निर्यात कर रहा है। 2023–24 में रक्षा निर्यात के लिए शीर्ष तीन गणतव्य अमेरिका, फ्रांस और अर्मेनिया है। हमें उम्मीद है कि हम 2029 तक 50,000 करोड़ रुपये के रक्षा निर्यात का लक्ष्य हासिल कर लेंगे। उन्होंने आगे कहा, भारत साइबरस्पेस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में टेक्नोलॉजी पर काम करने के लिए मुख्य देशों की सूची में शामिल होने के लिए प्रतिबद्ध है। वे डीआरडीओ परियोजनाओं के लिए पहले से ही एआईफ्रेमवर्क और दिशानिर्देशों का पालन कर रहे हैं।

संस्थापित 2001 संस्थापक : स्वर्गीय कन्हैया लाल, स्वर्गीय श्रीमती साधना

हिन्दी दैनिक/हिन्दी साप्ताहिक ◆ संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित

संपादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

प्रबंध संपादक
अरविन्द पाण्डेय

पंजीकृत कार्यालय: 289/238A, कर्नलगंज, (अनन्त भवन) प्रयागराज- 211002

M.: 9005239332, 9450482227

E-mail: shaharsamta@gmail.com
Website: www.shaharsamta.com

प्रयागराज में रातभर प्रदर्शन: क्यों छिड़ी है रार? एक समान मूल्यांकन पर स्पष्ट नहीं नॉर्मलाइजेशन

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के निर्णय पर हुए बवाल के कारण गरमाई सियासत के बीच प्रतियोगी छात्रों ने भी अपना एक नारा गढ़ लिया है। बेमियादी धरने पर बैठे छात्रों का नारा है, श्न बटेंगे न हटेंगे ।श इस नारे वाले हजारों पर्चे छात्रों के बीच वितरित किए गए। छात्रों ने इस नारे के जरिये आयोग को संदेश भेजा है कि जब तक दो दिन परीक्षा कराने और नॉर्मलाइजेशन निरस्त करने का नोटिस जारी नहीं किया जाएगा, तब तक छात्र धरना स्थल से हटने वाले नहीं हैं। धरना स्थल पर छात्रों ने हाथों में कई तख्तियां भी ले रखीं थीं, जिन पर नारे लिखे थे। छात्र इन नारों के जरिये आयोग के निर्णय के खिलाफ अपनी नाराजगी व्यक्त कर रहे थे। धरना स्थल पर न तो किसी छात्र संगठन और न ही किसी राजनीति दल का झंडा दिखा। छात्रों केवल तिरंगा लहराते दिखे। चंद्रशेखर आजाद

पार्क से महज 200 मीटर दूसरे इस आंदोलन के दौरान छात्रों के हाथों में शहीद चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह और महात्मा गांधी की तस्वीरें लहराती नजर आई। छात्र बार–बार कहते रहे कि वे शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन कर रहे हैं और मांगें पूरी होने तक वहीं डटे रहेंगे। प्रतियोगी छात्रों का कहना है कि अगर पर्याप्त संख्या में केंद्र न मिलने के कारण दो दिन परीक्षा कराने और एक समान मूल्यांकन के लिए नॉर्मलाइजेशन लागू करने की कोई मजबूरी है तो इसका भी समाधान है। प्रश्नपत्रों की सुरक्षा के मद्देनजर जिस शासनादेश के तहत केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया को सख्त बनाया गया है और निजी स्कूल–कॉलेजों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है, उस शासनादेश में संशोधन भी किया जा सकता है। सरकारी मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, विश्वविद्यालयों, पॉलीटेक्निक को भी परीक्षा केंद्र बनाया जा सकता है। वैसे भी प्रश्नपत्रों की सुरक्षा और परीक्षा कराने की जिम्मेदारी शासन की है तो छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ क्यों किया जा रहा है। इसकी क्या गारंटी की दो दिन परीक्षा कराने में पेपर लीक नहीं होगा। छात्रों और आयोग के प्रतिनिधियों के बीच दिनभर लाउडस्पीकर के जरिये वार्ता होती रही। आयोग के प्रतिनिधि बार बार धरना समाप्त करने की अपील करते उठेंगे। शाम को अभ्यर्थियों के सामने यह प्रस्ताव भी रखा गया कि उनकी मांगों पर विचार करने के लिए आयोग कमेटी गठित करेगा लेकिन अभ्यर्थी नहीं माने और कहा कि अब नॉर्मलाइजेशन निरस्त किए जाने का नोटिस जारी होने के बाद ही धरने से उठेंगे। देर रात पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा और जिलाधिकारी रविंद्र मांदड़ भी लोकसेवा आयोग पहुंचे। काफी देर तक दोनों अधिकारियों ने प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन अभ्यर्थी अपनी मांग पर अड़े रहे। प्रतियोगी छात्र किसी भी कीमत पर पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। एक तरफ आयोग परिसर के बाहर दिनभर प्रतियोगी छात्रों का मेला लगा रहा तो आयोग आने वाले हर रास्ते से दिनभर छात्रों का रेला आयोग की तरफ आता रहा। छात्र पहले से तय करके आए थे कि अब धरने से उठना नहीं है, सो उन्हीं के बीच में से तमाम साथी कभी पानी की बोतलें तो कभी बिस्किट व नमकीन के पैकेट लेकर पहुंचते रहे। दो दिन की परीक्षा में अलग–अलग शिफ्ट में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों के एक समान मूल्यांकन के लिए आयोग ने नॉर्मलाइजेशन (मानकीकरण) को लागू कर दिया लेकिन आयोग ने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह फॉर्मूला काम कैसे करेगा। अभ्यर्थियों का कहना है कि आयोग ने पर्सेंटाइल स्कोर निकालने का फॉर्मूला तो चता दिया लेकिन नॉर्मलाइजेशन कैसे करेंगे। यह फॉर्मूला वैज्ञानिक रूप से कारगर है या नहीं, इस भी संदेह है। जिन परीक्षा में नॉर्मलाइजेशन लागू किया गया, ये परीक्षाएं हमेशा विवादों में रहीं हैं। प्रतियोगी छात्र एक ही मांग पर अड़े हैं कि पीसीएस और आरओध्एआरओ प्रारंभिक परीक्षा एक ही दिन में कराई जाए। पीसीएस और आरओ–एआरओ प्रारंभिक परीक्षा दो दिन कराने के यूपीपीएससी के फैसले के खिलाफ छात्र आंदोलन शुरू कर दिए हैं। वहीं आयोग दो दिन परीक्षा कराने पर अड़ गया है। प्रशासन और पुलिस के साथ प्रतियोगी छात्रों की वार्ता आज सुबह फिर से बेनतीजा रही। आयोग की तरफ से कोई संकेत न होने के कारण अधिकारी भी कुछ आश्वासन नहीं दे पा रहे हैं। प्रयागराज में संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय के बाहर कल से आंदोलन कर रहे प्रतियोगी स्टूडेंट्स से बातचीत की। डीएम रविंद्र और पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा फिर पहुंचे। छात्र चाहते हैं कि परीक्षा दो दिन न हों और सरलीकरण भी न हो।

प्रयागराज में छात्रों का प्रदर्शन जारी, अखिलेश–मायावती ने कसा तंजय हिरासत में पूर्व IG अमिताभ ठाकुर

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के निर्णय को लेकर अभी भी बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। रातभर छात्रों ने जमकर प्रदर्शन किया। प्रतियोगी छात्रों ने भी

अपना एक नारा गढ़ लिया है। बेमियादी धरने पर बैठे छात्रों का नारा है, श्न बटेंगे न हटेंगे ।श इस नारे वाले हजारों पर्चे छात्रों के बीच वितरित किए गए। ताजा जानकारी के मुताबिक, प्रतियोगी छात्रों के समर्थन में प्रयागराज इंटरसिटी से प्रयाग स्टेशन पहुंचे पूर्व आईजी अमिताभ ठाकुर को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। जिसके बाद उन्हें कटरा चौकी ले गए। वहीं दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने भी छात्रों के प्रदर्शन को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा और एक्स पर लिखा कि भाजपा के एजेंडे में सिर्फ 'चुनाव' है और भाजपा राज में अभ्यर्थियों के हिस्से में आया सिर्फ 'तनाव' है। युवा कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा! जब भाजपा जाएगी तब नौकरी आएगी।

प्रयागराज में ट्रैक्टर–ट्रॉली के पलटने से ड्राइवर दबा: घंटों की मेहनत के बाद निकाला गया शव, अवैध खनन में जल्दबाजी की वजह से गई जान

प्रयागराज। प्रयागराज के यमुना नगर के घूरपुर थानांतर्गत पिपिरसा गांव में मंगलवार सुबह करीब पांच बजे अवैध खनन में लगा एक ट्रैक्टर ट्राली अनियंत्रित होकर पलट गया। जिसमें ड्राइवर की दबकर मौत हो गई। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस घंटों मशक्कत के बाद ड्राइवर के शव को बाहर निकलवा पाई। उसके बाद लिखा– पढ़ी करके शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की मौत से घर में कोहराम मच गया है। घूरपुर थाना क्षेत्र के पिपिरसा गांव निवासी संदीप कुमार (22) पुत्र हरिलाल तीन भाईयों में बड़ा था। वह पड़ोस के ही एक व्यक्ति का ट्रैक्टर चलाता था। जो मिट्टी खनन में लगा हुआ था। मंगलवार की तड़के सुबह वो मिट्टी लादकर बड़ी तेज रफ्तार से जा रहा था। पिपिरसा गांव के बाहर ही अचानक ड्राइवर संदीप का ट्रैक्टर की स्टेयरिंग से नियंत्रण छूट गया। जिससे अनियंत्रित ट्रैक्टर ट्राली गड्ढे में पलट गई। संदीप कुमार उसी ट्रैक्टर–ट्राली के बीच में आकर दब गया। जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई। ग्रामीणों ने देखा तो उसके घरवालों को इसकी सूचना दी इसके बाद पुलिस को खबर दी गई। पुलिस का कहना है कि शव को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार पुलिस की सरपरस्ती में अवैध तरीके से मिट्टी खनन क्षेत्र में धड़ल्ले से हो रहा है। रात के अंधेरे में जमकर मिट्टी खनन और परिवहन होता है। लोगों ने बताया कि पुलिस प्रशासन या खनन अधिकारियों से बचने के लिए ट्रैक्टर मालिकों का ड्राइवरों को सख्त आदेश होता है कि तेजी से जाएं और मिट्टी अनलोड करके वापस आएं। उसी चक्कर में ये हादसे होते रहते हैं।

गूगल में नंबर सर्च करना पड़ा महंगा, 73 हजार रुपये की ठगी

प्रयागराज। कर्नलगंज थाना क्षेत्र के पुराना कटरा निवासी ताहा जकी मेराज को साइबर अपराधी ने 73,533 रुपये की ठगी कर ली। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया है। मेराज ने तहरीर के आधार पर बताया कि उन्होंने गूगल पर एक नंबर सर्च किया था। उस नंबर पर बात करने पर सामने वाले पहले झांसा दिया। फिर

निवेश के नाम पर ऑनलाइन 73,555 रुपये का भुगतान करा लिया। इसके बाद किसी तरह मुनाफा नहीं आया। मेराज को जब साइबर ठगी का एहसास हुआ, तो उन्होंने उस व्यक्ति से अपने रुपये वापस देने की मांग की। आरोपी ने पहले तो रुपये जल्द वापस करने का आश्वासन दिया, लेकिन फिर अपना मोबाइल बंद कर लिया। पुलिस तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच में जुटी है।

जातियों के गणित में उलझा है फूलपुर का समीकरण, मतदाताओं के मन की थाह लेना चुनौतीपूर्ण

प्रयागराज। चुनावी बिसात किसी चक्रव्यूह से कम नहीं है। ऐसा चक्रव्यूह , जिसका आकार प्रकार, रंग रूप पल–पल बदलता है। यह इम्तिहान आसान नहीं है। पांच माह के बाद ऐसा ही एक चक्रव्यूह प्रयागराज की फूलपुर विधानसभा में तैयार है। फूलपुर के चुनावी दंगल में भाजपा के दीपक पटेल की प्रतिष्ठा दांव पर है। अखाड़े में सपा ने मुजतबा सिद्दीकी के रूप में एक अनुभवी सियासी पहलवान को उनके सामने उतारा है जो पूर्व में तीन बार विधायक रह चुके हैं। हालांकि इस पूरी विधानसभा में जातियों के गणित में समीकरण उलझा नजर आ रहा है। इसी वजह से वोटर यह मानकर कर चल रहे हैं कि उपचुनाव में भाजपा, सपा या बसपा किसी के लिए भी राह उतनी आसान नहीं है। फूलपुर सीट पर भाजपा जहां केंद्र और प्रदेश सरकार की विकास योजनाओं को लेकर जनता के बीच जाने की तैयारी कर रही है, तो वहीं इंडिया गठबंधन के नेता केंद्र व प्रदेश सरकार की विफलताओं के साथ ही पिछड़ा ,दलित, अल्पसंख्यक (पीडीए) को बड़ा मुद्दा मानकर चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। इस पूरे विधानसभा में जातीय समीकरण साधने में ही राजनीतिक दल जुटे हुए हैं। चार लाख से ज्यादा वोटरों वाली इस विधानसभा में 70 हजार से ज्यादा कुर्मी वोटर हैं। कहा जाता है कि यहां कुर्मी और यादव ही निर्णायक वोटर माने जाते हैं। हालांकि जमनीपुर के धनंजय कुमार मिश्रा और सत्यवान पांडेय इसे एक सिरे से खारिज करते हैं। उनका कहना है कि उपचुनाव कुल मिलाकर सत्ता पक्ष का ही होता है। कुछ मुद्दे जरूर हैं जिसे देखकर लोग अपने मत का प्रयोग करेंगे। अमरेश त्रिपाठी रुद्रा और सुरेंद्र कुमार ने कहा कि लोकसभा चुनाव के मुकाबले विधानसभा उपचुनाव के दौरान माहौल बदला हुआ है। सीएम योगी की कोटवा में हुई सभा के बाद उपचुनाव का रंग अब दिखने लगा है। कनिहार के रफीक ने कहा कि कछारी क्षेत्र में बांध का निर्माण जरूरी है। चंद्रदेव त्रिपाठी ने कहा कि इस चुनाव से न सरकार बननी है

और न ही गिरनी है। फिर भी नींवी, छवैया, दुबावल आदि क्षेत्र ऐसे हैं जहां हर वर्ष बाढ़ लंबा नुकसान पहुंचाती है। इस ओर सरकार ध्यान दें। बाबा (सीएम योगी) से उम्मीद है कि वह आवारा जानवरों से हम ग्रामीणों को निजात दिलाएंगे। उधर हनुमानगंज बाजार में धर्मेंद्र जायसवाल, मंटू केसरवानी, जीतू सोनी, चंचल द्विवेदी, रमेश आदि युवाओं ने कहा कि सीएम के आने के बाद चुनावी माहौल बना है। अब 14 को अखिलेश यादव भी आ रहे हैं। सरकार यहां विकास कार्य तो कर रही है लेकिन व्यापारियों का ध्यान नहीं रखा जा रहा। यहां दुकानों के आगे रेलिंग लगा देने के बाद हम सभी का कारोबार प्रभावित हो सकता है। इसी तरह जलालपुर के विक्रम पटेल, शिवम पटेल और अनिकेत मौर्य ने कहा कि सरकारी भर्तियों को लेकर हम लोग संतुष्ट नहीं है। इसी वजह रही कि लोकसभा चुनाव का परिणाम सत्ता दल के पक्ष में उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। इसी तरह इफको के निकट देवनगरी गांव के अशफाक उल्ला, शुभम उपाध्याय, मुलायम, देवराज उपाध्याय ने बताया कि लोकसभा चुनाव में फूलपुर विधानसभा से सपा ने बड़ी लीड हासिल की थी। इस बार भी उसकी पुनरावृत्ति हो सकती है। इसी तरह मोहनगंज बाजार के दिलीप पासी ने कहा कि हर चुनाव में नेता आते हैं, बड़े वादे करते हैं, उसके बाद कोई यहां दोबारा झांकने नहीं आता। सहसों और अंदावा के राम जी केसरवानी और दीपू जायसवाल ने कहा कि यह बात सही है कि बीते दस वर्ष में विकास कार्य काफी हुए हैं। कहा कि रिंगरोड सरकार बनवा रही है। इससे काफी हद तक लोगों को जाम की समस्या से निजात मिलेगी। फूलपुर विधानसभा के रण में प्रत्याशियों के सामने चुनौतियां ही चुनौतियां हैं। बदले माहौल में भाजपा प्रत्याशी दीपक पटेल के सामने जीत हासिल करने की चुनौती है। पर उनकी राहें आसान नहीं हैं। भाजपा की उम्मीदें ध्रुवीकरण पर टिकी हुई हैं। 2017 एवं 2022 में भाजपा यह सीट जीत चुकी है। इस बार पार्टी की निगाहें हैट्रिक पर है। हालांकि लोकसभा चुनाव में सपा ने यहां बड़ी लीड हासिल कर हर किसी को चौंका दिया। उसे लेकर उपचुनाव में सपा नेता एवं कार्यकर्ता खासे उत्साहित हैं। सपा ने इस सीट से मुस्लिम प्रत्याशी को उतारा है। इस वजह से भाजपा का पूरा फोकस सर्वण, कुर्मी, मौर्य, दलित, कुशवाहा आदि बिरादरी के वोटरों पर है। वहीं सपा के परंपरागत वोटरों के कारण गठबंधन प्रत्याशी अपना समीकरण मजबूत मानकर चल रहे हैं। हालांकि बसपा भी यहां छुपा रुस्तम साबित हो सकती है। भाजपा और सपा दोनों ही दल बसपा को हल्के में बिल्कुल भी नहीं ले रहे हैं। फूलपुर सीट के सियासी समीकरण को अगर देखें तो यहां कुल 4.07 लाख मतदाता है। इसमें 2.23 लाख पुरुष एवं 1.83 लाख महिला मतदाता है। थर्ड जेंडर के 58 मतदाता भी अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। जातीय समीकरण की अगर बात करें तो इस सीट पर ओबीसी मतदाता निर्णायक भूमिका में है। खास तौर पर पटेल और यादव मतदाता इस सीट पर जीत हार तय करते हैं। वहीं इस सीट पर मुस्लिम वोटों का ध्रुवीकरण भी भाजपा की मुश्किलें बढ़ा सकता है। अगर दलित वोटर भी इधर उधर खिसके तो भाजपा को यहां बड़ी चुनौती मिल सकती है। वहीं बसपा से जितेंद्र कुमार सिंह ताल ठोंक रहे हैं। हालांकि बसपा द्वारा पूर्व में घोषित प्रत्याशी शिव बरन पासी का टिकट काटकर जितेंद्र कुमार सिंह को टिकट दिए जाने से दलित वर्ग की नाराजगी का इस सीट पर खासा प्रचार भी किया जा रहा है। वर्ष 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में सपा प्रत्याशी मुजतबा फूलपुर से चुनाव लड़े थे। तब उन्होंने भाजपा प्रत्याशी प्रवीण पटेल को कड़ी टक्कर दी थी। हालांकि उन्हें महज 2723 वोटों के अंतर से हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि मुजतबा पूर्व में तीन बार विधायक रह चुके हैं लेकिन तीनों ही बार वह बसपा से चुनाव जीते थे। वहीं भाजपा के दीपक पटेल फूलपुर की पूर्व सांसद केसरी देवी पटेल के पुत्र होने के साथ पूर्व विधायक भी रह चुके हैं। दीपक पटेल 2012 में करछना विधानसभा सीट से बसपा के विधायक रह चुके हैं। फूलपुर विधानसभा में छोटे राजनीतिक दल भी वोट कटवा साबित हो सकते हैं। इस सीट पर चंद्रशेखर आजाद रावण की आजाद समाज पार्टी ने भी मुस्लिम प्रत्याशी शाहिद अख्तर खान को चुनाव मैदान में उतारा है। कुछ अन्य प्रत्याशी भी है जो भाजपा और सपा के प्रत्याशियों की टेंशन बढ़ा सकते हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में कम अंतर की जीत को देखते हुए छोटे राजनीतिक दलों के प्रत्याशी भी प्रत्याशियों की जीत हार में बड़ी भूमिका अदा कर सकते हैं।

प्रयागराज में लेखपाल रिश्वत लेते गिरफ्ताररूएंटी करप्शन टीम ने रंगे हाथ दबोचा, रास्ता खुलवाने के लिए मांग रहा था 6 हजार रुपए

प्रयागराज। प्रयागराज की सोरांव तहसील में कार्यरत लेखपाल प्रदीप कुमार को छह हजार रुपये घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है। भ्रष्टाचार निवारण संगठन (एंटी करप्सन) की टीम ने सोमवार को लेखपाल को रिश्वत लेते दबोचा। उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा लिखा गया है। आरोपी को वाराणसी स्थित एंटी करप्शन कोर्ट में पेश किया जाएगा। घूसखोरी में पकड़े गए लेखपाल को जल्द ही निलंबित किए जाने की बात कही जा रही है। बताया जा रहै है कि सोरांव थाना क्षेत्र के धामापुर अब्दालपुर गांव निवासी मनोज कुमार यादव के नाम आबादी की जमीन है। उस जमीन पर कुछ लोगों ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया है। पीड़ित ने कब्जा हटवाकर रास्ता खुलवाने के संबंध में उच्चाधिकारियों से शिकायत की थी, जिसके बाद लेखपाल को खाली कराने के लिए निर्देश दिए गए थे। रास्ता खुलवाने के लिए लेखपाल ने शिकायतकर्ता से छह हजार रुपये की मांग की थी। इस पर मनोज ने एंटी करप्शन कार्यालय पहुंचकर शिकायत की। गोपनीय जांच में शिकायत सही पाई गई तो ट्रैप करने की योजना बनाई गई। जब लेखपाल सोरांव तहसील के सामने पैसा ले रहा था, तभी एंटी करप्शन के इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह यादव, अलाउद्दीन अंसारी, वर्षा श्रीवास्तव ने टीम के साथ घेरेबंदी करके उसे रंगेहाथ दबोच लिया। इस कार्रवाई से राजस्व कर्मियों में खलबली मच गई। आरोपित लेखपाल इब्राहिमपुर हेतापट्टी झुंसी का निवासी है। उसके खिलाफ शिवकुटी थाने में मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है।

महाकुंभ टेंट सिटी कैंप में मिलेगी फाइव स्टार सुविधा: असम से प्रयागराज लाए गए बांस, अस्थायी और स्थायी दोनों तरह के बन रहे टेंट

प्रयागराज। प्रयागराज में महाकुंभ को देखते हुए निजी कंपनियों की तरफ से भी अपनी तरह के खास प्रकार के टेंट का निर्माण कराया जा रहा है। जो बांस से बने तंबू का शिविर होगा। खास बात यह है कि इसको तैयार कराने के लिए विशेष रूप से असम

से बांस को मंगाया गया है। इनका ही इस्तेमाल करके इन टेंट का निर्माण कराया जा रहा है। जिसमें फाइव स्टार जैसी सुविधाएं मिलेगी। बांस से तैयार कराए जा रहे टेंट शिविर में कमरे की जमीन से लेकर वॉशरूम तक में बांस पर ही टाइल्स लगाया जा रहा है। जिससे यहां रहने वाले लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा ना हो सके। इसके अलावा कमरें डबल बेड, आलमारी से लेकर अन्य सभी प्रकार की जरूरी सुविधाएं यहां रहने वालों को उपलब्ध करायी जा रही है। अरैल में तैयार कराए जा रहे बांस के शिविर के परिसर में ही लोगों को अलग से रेस्टोरेंट की सुविधा भी मिलेगी। जहां पर करीब 100 लोगों के बैठने की व्यवस्था होगी। हालांकि रेस्टोरेंट में सिर्फ शाकाहारी खाने की वस्तुएं ही मिलेगी। इसके साथ ही कांटीनेंटल फूड की व्यवस्था भी यहां पर लोगों को दी जाएग। इसके लिए बाहर से शेफ बुलाने की तैयारी है। जो लोगों को बेहतरीन जायका दे सकें।

प्रयागराज में प्रतियोगी छात्रा ने किया सुसाइड: परिजनों ने प्रेमी पर लगाए आरोपय पुलिस ने कमरा सील किया, जांच में जुटी

प्रयागराज ।प्रयागराज के रसूलाबाद में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाली 24 वर्षीय छात्रा ने प्रेम– प्रसंग में फांसी लगाकर पर जान दे दी। पुलिस को इसकी जानकारी दो दिन के बाद हुई। जानकारी मिलने के बाद शिवकुटी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की। पुलिस को कमरे से

सुसाइड नोट और छात्रा का मोबाइल नहीं मिला है। पुलिस ने कमरे को सील करवा दिया और मामले की जांच में जुट गई। वहीं पीड़ित परिवार ने प्रेम –प्रसंग में ही आत्मघाती कदम उठाने की बात कही है। सोरांव के रनिया टोला गांव निवासी राम नरेश पटेल खेती करते हैं। उनकी बेटी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करती थी। कुछ दिन पहले उसने रसूलाबाद निवासी भाजपा कार्यकर्ता सुनील कुशवाहा के मकान में किराए पर कमरा लिया था। बताया जा रहा है कि दो दिन से वह किसी से संपर्क में नहीं थी। किसी अनहोनी की आशंका होने पर एक सहेली उसके कमरे पर गई और मकान मालकिन से जानकारी चाही। मकान मालकिन कमरे तक पहुंची तो दुर्गंध आ रही थी। खबर पाकर शिवकुटी पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर भीतर दाखिल हुई तो छात्रा का शव फंदे पर लटका हुआ था। शाम को लड़की का पिता, परिवार के कई सदस्य के साथ थाने पर पहुंचे। उन्होंने पुलिस को बताया कि बेटी का सोरांव के ही एक लड़के से प्रेम संबंध था। उस लड़के से शादी करने के लिए किसी की सहमति नहीं थी। इसी के चलते बेटी ने आत्मघाती कदम उठाया होगा। पीड़ित परिवार ने छात्रा के प्रेमी पर भी कुछ आरोप लगाए हैं। कार्यवाहक थानाध्यक्ष शिवकुटी विजय पांडेय का कहना है कि परिवार वालों ने प्रेम– प्रसंग के चलते आत्महत्या किए जाने की बात बताई है। मोबाइल की सीडीआर निकलवाई जाएगी। घरवालों का कहना है कि वो दो दिन से लगातार कॉल कर रहे थे, लेकिन उससे संपर्क नहीं हो पो रहा था। रविवार को आरती को खोजते हुए भाई शिवकुटी पहुंचा था, मगर कमरा बदल जाने के बाद वो उसके कमरे पर नहीं पहुंच पाया था।

पत्नी की बेरहमी से हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार

प्रयागराज, वरिष्ठ संवाददाता न्याय नगर कॉलोनी, धूमनगंज में शनिवार की देर रात 40 वर्षीय सीमा कनौजिया की पति और ससुरालियों ने मिलकर हत्या कर दी थी। घटना को अंजाम देते समय आरोपियों ने दो बेटियों को कमरे में बंद कर दिया था। पुलिस ने पति सहित आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने सोमवार को आरोपी पति अवधेश कनौजिया को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि घटना के दौरान मौजूद सास व देवरानी फरार हो गई हैं। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सिर पर गंभीर चोट लगने और गले की हड्डी टूटने से मौत की पुष्टि हुई है। प्रीतमनगर कॉलोनी निवासी सेवानिवृत्त दरोगा रामअवतार कनौजिया की पुत्री सीमा अपनी दो बेटी 14 वर्षीय प्रियांशी व 12 वर्षीय पीहू के साथ धूमनगंज की न्याय नगर कॉलोनी में पति अवधेश कनौजिया साथ रहती थी। अवधेश वन विभाग में वरिष्ठ लिपिक के पद पर कार्यरत है। दो महीने पहले सीमा की सास पार्वती देवी और देवरानी लक्ष्मी न्याय नगर वाले मकान में आए थे। शनिवार की रात लगभग साढ़े 11 बजे प्रियांशी व पीहू को कमरे में बंद करने के बाद अवधेश ने मां और भयाहू के साथ मिलकर सीमा की बेरहमी से पिटाई की और फिर छत से नीचे फेंक दिया था। थाना प्रभारी अमरनाथ राय ने बताया कि हत्यारोपी अवधेश कनौजिया को गिरफ्तार कर लिया गया है। मृतका के पिता रामअवतार की तहरीर पर पति अवधेश के अलावा देवर अखिलेश, देवरानी लक्ष्मी, सास पर्वती, ननद सुनीता, संध्या, सुधा व श्वेता उर्फ स्वीटी के खिलाफ हत्या समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है, जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मदन मोहन मालवीय ज्ञानात्मक श्रद्धा के जीवंत पर्याय

प्रयागराज। माननीय कुलपति डॉ.अखिलेश कुमार सिंह की प्रेरणा से प्रो.राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय के दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ में भारतरत्न पण्डित मदन मोहन मालवीय जी की पुण्यतिथि मनाई गई। अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. विवेक कुमार सिंह ने कहा कि मालवीय जी के आदर्शों के हमें अपने जीवन में आत्मसात करने वाले व्यक्ति थे। कुलानुशासक प्रो.राजकुमार गुप्त ने कहा कि मालवीय जी सनातन सोच एवं ज्ञानात्मक श्रद्धा के जीवंत पर्याय थे। अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं शोधपीठ निदेशक प्रो.आशुतोष कुमार सिंह ने कहा कि ज्ञानात्मक कार्यसंस्कृति एवं अनुभव को बढ़ावा देना वास्तविक मालवीय मिशन है। डॉ.प्रशान्त सिंह ने कहा कि राष्ट्रशिल्पी मालवीय जी सच्चे भविष्य निर्माता थे। संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ.प्रवीण कुमार द्विवेदी ने संचालन करते हुए कहा कि महामना पण्डित मदनमोहन मालवीय भारतवर्ष के विराट् व्यक्तित्व के रूप में याद किए जाते रहे हैं। उनको भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम में उचित स्थान देने का कार्य किया जा रहा है। संस्कृत विभाग के अतिथि प्रवक्ता डॉ. पीयूष मिश्र ने कहा कि मालवीय जी सनातन संस्कृति एवं ज्ञानात्मक अधिगम के सूर्यसदृश चिर प्रकाश हैं।डॉ. देवकी नंदन मिश्र, डॉ.राहुल श्रीवास्तव ने भी अपना उद्बोधन दिया। सहायक आचार्य डॉ. उत्कर्ष उपाध्याय, डॉ. मनोज कुमार यादव, डॉ. नारायण दत्त तिवारी, डॉ. प्रिया झा, डॉ.आनंद त्रिपाठी, डॉ. सोनम राय, डॉ. विवेक अग्रहरि , डॉ.अखण्ड प्रताप पाल, डॉ. दीक्षा शुक्ला, डॉ.अक्षय भट्ट, डॉ.सौरभ द्विवेदी, डॉ. सलमान जाफरी, डॉ.मनीष यादव , डॉ. माहेरुख खान, डॉ. आशिक अहिरवार इत्यादि अतिथि प्रवक्तागणों सहित विश्वविद्यालय के सैकड़ों शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अखिलेश बोले- भाजपा ने छात्रों को सड़क पर ला खड़ा किया, यूपी में योगी बनाम प्रतियोगी छात्र का माहौल

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रयागराज में छात्रों के आंदोलन को लेकर योगी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने एक्स पर बयान जारी कर कहा कि प्रदेश में योगी बनाम प्रतियोगी का माहौल बन गया है। उन्होंने कहा कि आज उप्र के प्रतियोगी परीक्षाओं के हर अभ्यर्थी, हर छात्र, हर युवक–युवती की जुबान पर जो बात है वो है–

नौकरी भाजपा के एजेंडे में है ही नहीं'!

उन्होंने चलवाया लाठी–डंडा

'नौकरी' नहीं जिनका एजेंडा!

नहीं चाहिए अनुपयोगी सरकार!!

भाजपा सरकार नहीं धिक्कार है!!!

'अयोग्य लोगों का अयोग्य आयोग' नहीं चाहिए!!!

भाजपा के लोग, जनता को रोजी–रोटी के संघर्ष में उलझाए रखने की राजनीति करते हैं, जिससे भाजपाई साम्प्रदायिक राजनीति की आड़ में भ्रष्टाचार करते रहें। सालों–साल वैकेंसी या तो निकलती नहीं है या फिर परीक्षा की प्रक्रिया पूरी नहीं होती है। भाजपा ने छात्रों को पढ़ाई की मेज से उठाकर सड़कों पर लाकर खड़ा कर दिया है। यही आक्रोशित अभ्यर्थी और उनके हताश–निराश परिवारवाले अब भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन रहे हैं।

नौकरीपेशा, पढ़ा–लिखा मध्यवर्ग अब भावना में बहकर भाजपा के बहलावे–फुसलावे में आनेवाला नहीं। अब तो ह्वाट्सऐप ग्रुप के झूठे भाजपाई प्रचार के शिकार अभिभावकों को भी समझ आ गया है कि अपनी सत्ता पाने और बचाने के लिए भाजपा ने कैसे उनका भावनात्मक शोषण किया है। अब ये लोग भी भाजपा की नकारात्मक राजनीति के झांसे में आनेवाले नहीं और बाँटनेवाली साम्प्रदायिक राजनीति को नकार के 'जोड़नेवाली सकारात्मक राजनीति' को गले लगा रहे हैं। अब कोई भाजपाइयों का मानसिक गुलाम बनने को तैयार नहीं हैं। अब सब समझ गये हैं, भाजपा सरकार के रहते कुछ भी नहीं होनेवाला। भाजपा के पतन में ही छात्रों का उत्थान है। भाजपा और नौकरी में विरोधाभासी संबंध है। जब भाजपा जाएगी, तभी नौकरी आएगी।

अब क्या भाजपा सरकार छात्रों के हॉस्टल या लॉज पर बुलडोजर चलाएगी। भाजपाई जिस शिद्दत से नाइंसाफी का बुलडोजर चला रहे हैं, अगर उसी शिद्दत से सरकार चलाई होती तो आज भाजपाइयों को छात्र आक्रोश से डरकर, अपने घरों में छुपकर नहीं बैठना पड़ता। आंदोलनकारियों के गुस्से से घबराकर भाजपाइयों के घरों, दुकानों, प्रतिष्ठानों और गाड़ियों से भाजपा के झंडे उतर गये हैं। आंदोलनकारी युवा ऊंची आवाज में पूछ रहे हैं 'अब कहां गायब हैं दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी का दावा करनेवाली भाजपा के नेता और कार्यकर्ता?'। क्या ये सिर्फ समाज को बांटने के लिए बाहर निकलते हैं। जिस समय छात्रों की आवाज में आवाज मिलाने का समय है, उस समय ये भाजपाई, कहीं दबे–छिपे काट रहे हैं सत्ता का मलाई। नकारात्मक भाजपा और उसकी नकारात्मक झूठी राजनीति का समय पूरा हो गया है। जन–जन कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा!

चिनहट में बंद मकान मे चोरी,दरवाजे की कुंडी काटकर सारा सामान ले गए चोर

लखनऊ, एजेंसी।। राजधानी लखनऊ के चिनहट इलाके चोरों ने बंद मकान के दरवाजों की कुंडी काटकर लाखों की ज्वेलरी और नकदी चोरी कर ली। साथ ही घर में रखे कीमती सामान भी चुरा ले गए। घटना के वक्त परिवार अपने गांव गया था। सोमवार रात को लौटने पर घटना की जानकारी हुई। मंगलवार सुबह सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर जांच पड़ताल की। जानकारी के मुताबिक चिनहट के शाहपुर निवासी कार चालक पवन नाथ द्विवेदी के घर 9 से 11 नवंबर के बीच चोरी हो गई। इस दौरान वह अपने परिवार के साथ बारबंकी रामसनेही घाट स्थित भिठरिया गांव गए थे। जहां भागवत कथा हो रही है। बेटे प्रशांत ने बताया कि वह 9 नवंबर की शाम को पिता पवन, मां रीता और छोटे भाई हर्ष के साथ गांव गए थे। 11 नवंबर की रात को लौटने पर मेन गेट पर ताला खोलकर अंदर देखा तो सभी दरवाजे खुले थे और सामान बिखरा था। चोरों ने ताला तोड़ने की जगह दरवाजों की कुंडी ही काट दी थी। चोर घर में रखे करीब 3.50 लाख रुपए कीमत के जेवर, 50 हजार नगद, टीवी समेत कीमती सामान चुरा ले गए।

पुलिस कंट्रोल रूम को रात में ही सूचना दी। जिसके बाद पहुंचे पुलिस कर्मियों ने जांच पड़ताल की। चिनहट इंस्पेक्टर भरत पाठक ने मंगलवार सुबह मौके पर जांच पड़ताल की। साथ ही आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर FIR दर्ज कर चोरों की तलाश की जा रही है।

आरेडिका के महाप्रबंधक द्वारा स्काउट एवं गाइड झंडा बिक्री अभियान का आगाज

रायबरेली सभारत स्काउट एवं गाइड संगठन के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर वर्ष पर्यंत स्काउट गतिविधियों के संचालन तथा आपदा प्रबंधन में सहयोग प्राप्त करने हेतु राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर संचालित झंडा बिक्री अभियान का आगाज आरेडिका के महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा के हाथों हुआ। इस अवसर पर मुख्य जिला आयुक्त एवं मुख्य सामग्री प्रबंधक श्री कामेश्वर पासवान, जिला आयुक्त एवं उपमुख्य यांत्रिक अभियंता श्री एन.के. वर्मा, जिला सचिव श्री आदित्य प्रकाश तथा जिला संगठन आयुक्त गाइड श्रीमती शबीना बानो एवं अन्य वरिष्ठ रोवर एवं रेंजर्स उपस्थित रहे। महाप्रबंधक ने स्काउट गाइड के 75 वर्षों की यात्रा के गौरवमयी सेवाकाल को स्मरण करते हुए भविष्य में मानव सेवा हेतु की जाने वाली विभिन्न कार्यों में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया।

स्काउट एवं गाइड के जिला सचिव श्री आदित्य प्रकाश ने बताया कि स्थापना के हीरक जयन्ती वर्ष में स्काउट एवं गाइड द्वारा विभिन्न गतिविधिया की जाएगी । जिसमें पेड़ लगाना, सभी कार्यालयों में जाकर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को झण्डा लगाना आदि क्रिया–कलाप किये जायेंगे।

लोक कलाएं अतीत की गौरवशाली विरासत, इन्हें सहेजना जरूरी: बेशरम

करछना। लोक कलाएं हमारे पुरखों की थाती और देश के अतीत की पहचान के साथ–साथ गौरवशाली परंपरा की विरासत हैं। आज के बदलते दौर में समाज को अनूठे राग रंग,परस्पर प्रीति –रीतिऔर लोक परंपरा को तार–तार जोड़ते रहने वाली अपनी इस पूंजी और विरासत को सहेजना बहुत जरूरी है। यह बातें चर्चित हास्य कवि मंच संचालक अशोक सिंह बेशरम ने साधुकुटी स्थित एसीआईटी में बच्चों के बीच अपनी लोक कलाओं के प्रति जागरुक करते हुए कही। उन्होंने कहा कि अतीत में अपने समाज में चित्रकला, गोंड़,पिछवाई,पिथउरा,वाटिका फुलकारी,रंगोली जैसी लोक कलाएं कई पीढिओं तक जीविकोपार्जन के साथ–साथ देश और प्रदेश के कई भागों की निजी पहचान बन गईं। इन कलाओं में अपना लोक सांस्कृतिक दर्शन उभर कर संसार में एक अनूठी छाप छोड़ने और विदेशियों को भी आकर्षित करने में सफल रहा। अभिजात्य और लोक जैसे दो स्वरूपों से संयुक्त होकर कहीं लोक नृत्य के रूप में देश के विभिन्न भागों की सांस्कृतिक छवि इन्हीं लोक कलाओं में उभरी तो कहीं विभिन्न प्रांत के माटी के गीत और पारंपरिक गीतों में हमारे समाज के अतीत की लोक संस्कृति इन्हीं लोककलाओं में मुखरित होकर उभरी। हस्तकला के विभिन्न रूपों में अनेकों कृतियां पूरे विश्व में हमारे देश के धरोहर के रूप में यहां के चित्रकारों की अपनी एक अलग पहचान बनी। अपने समाज की इस विरासत को आज की आपाधापी के बीच खासतौर से मशीनीकरण के युग में सीखने समझने और संजोए रहने की निहायत जरूरत है,जिससे हमारे पुरखों की थाती परम्परागत संजोई जा सके। इस दौरान कई बच्चों ने पारंपरिक गीत हस्तकलाकृतियों का प्रदर्शन करते हुएअपनी इस पूंजी को बचाने और जागरूक रहने का संकल्प लिया। मास्टर कुंवर सिंह सभी के प्रति स्वागत आभार किया।

मोक्ष दायिनी और मुक्तिप्रदायनी है भागवत कथा:शैलेंद्र जी महाराज

कथा के दूसरे दिन व्यास पीठ से बखानी ध्रुव की महिमा–

करछना।क्षेत्र के महेवा,पूरा कुंजल वैस में चल रही संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के दूसरे दिन व्यासपीठ पर विराजमान कथा व्यास शैलेंद्र जी महाराज ने श्रीमद्भागवत की महिमा का बखान किया।उन्होने कहा कि श्रीमद्भागवत की कथा मनुष्य के लोकजीवन में कर्तव्य,निष्ठा,सत्य वोध,समरसता,मर्यादा और मानवीय मूल्यों के प्रति जागरूक करती हुई मुक्ति और मोक्ष प्रदायिनी है।कथा के श्रवण मात्र से जीवन की गतिविधियों में सामान्य प्ररिवर्तन के साथ–साथ हमारा चिंतन और सोच भी प्रभावित होती है।कथा व्यास ने गोकर्ण और धुंधकारी की मर्मपूर्ण कथा के साथ–साथ भगवत भक्ति प्रहलाद की महिमा का बखान करते हुए श्रद्धालुभक्तजनों को भाव विभोर कर दिया।इस दौरान सती चरित्र और भरत चरित्र की कथा सुन श्रोता आह्लादित हो उठे।उन्होने कहा कि घर के किसी आवश्यक कार्य हेतु बडे बुजुर्गो की राय और सलाह के बिना कार्य में बाधा पैदा हो सकती है।अपनी संगीतमयी कथा के दौरान ज्ञान दायक गीत भजनों की प्रस्तुति से भी लोगों को आकर्षित किया।इसके पूर्व कथा श्रवण कर रही शिव देवी शुक्ला ने महापुराण और कथा व्यास का माल्यार्पण स्वागत किया।आयोजक सतीश शुक्ल ने कथा श्रवण करने आये लोगों के प्रति स्वागत आभार प्रकट किया।इस मौके पर बडी संख्या में श्रोता महिलाएं और बच्चे मौजूद रहे।

भगवान श्री परशुराम जी के पूरे जीवन संस्करण की महाकुम्भ में बनेगी गैलरी : सुनील भराला

लखनऊ, एजेंसी। राष्ट्रीय परशुराम परिषद के संस्थापक प. श्री सुनील भराला जी नि. राज्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय परशुराम परिषद द्वारा महाकुम्भ परिसर में 1 लाख स्क्वायर फीट में शिविर (पंडाल) की व्यवस्था की जाएगी। शिविर में राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय कार्यक्रमोंका आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का 45 दिन तक अनवरत कार्यक्रम जारीरहेंगे। शिविर में मीडिया, शोसल मीडिया, इन्टरनेट मीडिया द्वारा सभी कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण होगा द्य भगवान श्री परशुराम जी की मंदिरों एवं घरों में स्थापित करने हेतु 1 लाख 8 हजार मूर्ति वितरण होगी राष्ट्रीय परशुराम परिषद का यह उद्देश्य है कि हर सनातन हिन्दू के घरों में भगवान श्री परशुराम जी अन्य देवी देवताओ की तरह स्थापित हो। माननीय प. सुनील भराला जी ने कहा कि आज राष्ट्रीय परशुराम परिषद के वेवसाईट https://www-rashtriya parshuramparishad-com / का विमोचन करते हुए अपार हर्ष हो रहा है, भगवान श्री परशुराम जी के जन्मस्थान जनापाव इंदौर से जुड़े 56 स्थानों की खोज जो राष्ट्रीय परशुराम परिषद के राष्ट्रीय शोध पीठ द्वारा की गयी है उसका गैलरी बना के शिविर में प्रदर्शनी के माध्यम से लोगो को अवगत कराया जायेगा, भगवान श्री परशुराम जी से सम्बंधित 21 युद्धभूमि स्थानों पर जहाँ भगवान श्री परशुराम जी ने आततायियों का वध करके साधू संतों एवं गरीब पीड़ितों को न्याय दिलाने का कार्य किया था उसकी गैलरी बनाई जाएगी एवं उन आततायी राक्षस राजाओ का चित्रण कर सनातन हिन्दुओ को जानकारी दिलाई जाएगी, महाकुम्भ में आने–जाने वाले मार्गों पर भगवान श्री परशुराम जी की बालकाल्य, युद्धकाल. तपस्याकाल के सचित्र गैलरी बनायी जाएगी, सनातन हिन्दुओ में भगवान श्री परशुराम जी की जानकारी का आभाव है जैसे भगवान श्री परशुराम जी ने 21 बार क्षत्रीय का विनाश नहीं किया था उन्होंने 21 आततायी राक्षस राजाओ का वध किया था तथा इसके अलावा और जो भ्रामक जानकारी है इसको भी पूरी तरीके से शुद्धि करने का कार्य राष्ट्रीय परशुराम परिषद करेगा, भराला जी ने कहा की अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी भगवान श्री परशुराम अकात्म वैश्विक आवश्यता, भगवान श्री परशुराम राष्ट्रीय नायक विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन, राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर के इतिहासकार, विद्वान, महापंडित शामिल होंगे। दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी आयोजित होगी एवं दो दिवसीय ब्राह्मण सम्मेलन में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत हजारों ब्राह्मण संस्थाओ के अध्यक्ष एवं महामंत्री सामिल होंगे जिसकी संख्या लगभग 2000 रहेगी, सम्मेलन में राष्ट्रीय, आर्थिक, सामाजिक विषयों पर गहन चिंतन एवं मंथन होगा। परमपूज्य श्री श्री तुलसी जी महाराज माँ तुलसी पीठाधीश्वर राष्ट्रीय संयोजक धर्म प्रकोष्ठ राष्ट्रीय परशुराम परिषद ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय परशुराम परिषद के महाशिविर पंडाल में 9 कुण्डीय महायज्ञ 13 जनवरी से प्रारंभ होगा, जिसमे आचार्य एवं यजमान सहित सैकड़ें लोग प्रतिदिन में उपस्थित रहेंगे शिविर में 45 दिन तक महायज्ञ का कार्यक्रम अनवरत जारी रहेगा, राष्ट्रीय परशुराम परिषद परिषद के शिविर में सप्तऋषि पंडाल बनेगा जिसमे भारद्वाज ऋषि गौतमऋषि जमदग्निऋषि, कौशिकऋषि वशिष्ठऋषि जैसे आदि ऋषियो के चित्र सहित उनके बारे में जीवनी का भी उल्लेख होगा, शिविर में भगवान श्री परशुराम जी पर साहित्यकारों का सम्मलेन आयोजित होगा जिसमे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के कवि एवं भजनसम्राट द्वारा भगवान श्री परशुराम जी पर भजन एवं गीत का कार्यक्रम किया जायेगा द्य पहली बार भगवान श्री परशुराम चालीसा एवं आरती का विमोचन होगा तथा भगवान श्री परशुराम जी की प्रथम बार श्री परशुराम कथा का भी कार्यक्रम होगा जिसमे पूज्य कथावाचक भगवान श्री परशुराम जी के जीवन चरित्र पर अपनी मधुर वाणी से वाणी से अमृत वर्षा करेंगे। धर्मरक्षा के लिए सर्वशक्तिमान भगवान परशुराम जी ने भगवान विष्णु के छठवें अवतार रूप में पृथ्वी पर आकर ने साधू–संतों, गरीबों एवं महिलाओ के सम्मान में विभिन्न आततायी राक्षसों का वध किया था।

भौतिकीसमिति द्वारा व्याख्यान का आयोजन

प्रयागराज। भौतिक विज्ञान विभाग सीएमपी डिग्री कॉलेज की भौतिकी समिति के द्वारा एक व्याख्यान का आयोजन किया गया ।व्याख्यान के वक्ता , अध्यक्ष, भौतिकी विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रोफेसर के एन उत्तम थे। व्याख्यान का विषय

ष्ठमर्जिंग ट्रेंड्स इन एटॉमिक एंड मॉलेक्युलर स्पेक्ट्रोस्कॉपी एंड इट्स एप्लीकेशनष्ठ था । ।उन्होंने उपरोक्त विषय पर रोचक एवं विस्तृत चर्चा की ।विभाग संयोजक प्रोफेसर राकेश कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया। प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे ने कार्यक्रम की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं दी। वक्ता का औपचारिक परिचय डॉक्टर संगीता सिंह ने दिया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ ज्ञान प्रकाश ने किया मंच का संचालन छात्रों वैष्णवी गुप्ता तथा प्रेरणा शुक्ला ने किया। शिवांग त्रिपाठी ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। इस अवसर पर डॉक्टर रेखा श्रीवास्तव,डॉक्टर अजय यादव, डॉ रोहित कुमार, डॉक्टर हरिश्चंद्र यादव, डॉक्टर अतुल सिंह भारद्वाज, डॉ विशाल श्रीवास्तव तथा विभाग के विभिन्न कर्मचारी एवं विद्यार्थी गण उपस्थित थे।

जोन–7 ऑफिस पहुंची मेयर,अधिकारियों से हाउस टैक्स को लेकर सवाल पूछा

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ मेयर सुषमा खर्कवाल मंगलवार सुबह अचानक नगर निगम जोन– 7 ऑफिस पहुंची। अचानक मेयर को देखकर जोन ऑफिस में हड़कंप मच गया। जांच के दौरान लापरवाही मिलने पर उन्होंने कई अधिकारियों को फटकार लगाई। हाउस टैक्स की फाइलों में गड़बड़ी मिली। इस पर अधिकारियों से जवाब तलब किया। अधिकारी कुछ बोल नहीं पाए। इस पर मेयर फाइलें अपने साथ ले गईं। मेयर ने दौरे की जानकारी विभाग के अधिकारियों को नहीं दी थी। सुबह करीब 9. 30 बजे जब वह घर से निकलने लगी तो बताया कि जोन– 7 की समीक्षा बैठक करेंगी। उनके साथ अपर नगर आयुक्त ललित कुमार, मुख्य कर अधिकारी समेत जोन–7 के अन्य आला अधिकारी थे। मेयर सुषमा खारवाल ने जब हाउस टैक्स से संबंधित फाइलों की जांच की तो उनको कई जगह पर गड़बड़ी मिली। इसके बाद उन्होंने रजिस्टर अपने पास रख लिया। और कहा– वह खुद घर पर इस पूरे मामले की जांच करेंगी। एक–एक हाउस टैक्स फाइल चेक होगी। जिस में भी गड़बड़ी हुई। संबंधित व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मेयर ने कहा एक हफ्ते के अंदर हाउस टैक्स से संबंधित सभी रजिस्टर को मेंटेन करें। एक सप्ताह के बाद कभी भी दोबारा जांच करूंगी। इस दौरान अगर गड़बड़ी मिली तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करूंगी। मेयर के पहुंचते ही जोन ऑफिस में हड़कंप मच गया। वे जोन के एक–एक वार्ड की टैक्स वसूली और सफाई की समीक्षा बैठक की। इस दौरान काम में लापरवाही बरतने पर कई अधिकारियों–कर्मचारियों को फटकार लगाई है। मेयर इससे पहले सोमवार को जोन चार कार्यालय पहुंची थीं। यहां उन्होंने एक महीने के अंदर जोन ऑफिस की तमाम कमियों को दूर करने का आदेश दिया था। निगम जोन–7 में डोर–टू–डोर कूड़ा उठना, सड़कों की नियमित सफाई, सीवर और टूटी सड़कें बड़ी समस्या हैं। इसके साथ ही स्ट्रीट लाइट भी नहीं हैं।

राजधानी में 23 साल बाद सबसे गर्म नवंबर ,4 डिग्री अधिक दर्ज किया जा रहा तापमान

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में अभी मौसम में बदलाव की संभावना नहीं है। आने वाले दिनों में धुंध छाई रहेगी। सुबह–शाम के समय में हल्की सिहरन बढ़ेगी। अधिकतम तापमान सामान्य से 4 डिग्री अधिक तक दर्ज किया जाएगा। तापमान सामान्य होने में समय लगेगा। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि औसतन पूरा नवंबर महीना गर्म रहेगा। लखनऊ में यह 23 साल बाद सबसे गर्म नवंबर रहेगा। यही हालत पूरे यूपी का है। आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान कुछ गिरेगा, लेकिन यह सामान्य से ज्यादा गर्म ही रहेगा। लखनऊ में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए कई जगहों पर एंटी स्माग गन से पानी का छिड़काव हो रहा है। मुख्यमंत्री आवास से लेकर 1090 चौराहे तक सड़क के दोनों तरफ पेड़ों पर नगर निगम की तरफ से पानी का छिड़काव कराया गया। इसके साथ ही लाल कुआं कुकरेल और तालकटोरा क्षेत्र में भी एंटी स्मॉग गन लगाई गई है। मौसम वैज्ञानिक ने मौसम में बदलाव के दो मुख्य कारण बताए। पहला, पश्चिमी विक्षोभ नहीं आया है। इसमें न पहाड़ों में बारिश नहीं हुई, न ही मैदानी इलाकों में ही बारिश हुई है। दूसरी, पछुवा हवा का कोई तेज प्रभाव नहीं रहा है। कुछ दिनों से पछुवा हवा बह रही है, लेकिन यह सामान्य ही है। हवा बहुत स्थिर है, इसकी वजह से मौसम में कोई बदलाव देखने को नहीं मिल रहा है। पूरे नवंबर में मौसम ऐसे ही सामान्य से ज्यादा गर्म बना रहेगा। नवंबर के अंतिम दिनों में मौसम में बदलाव की हल्की संभावना दिख रही है। लखनऊ समेत पूरे प्रदेश में इस बार नवंबर का महीना अधिक गर्म रहा है। इस दौरान सामान्य तापमान की तुलना में तापमान 4–6 डिग्री तक अधिक रहा। जबकि 1 नवंबर को लखनऊ का अधिकतम तापमान 34.9 दर्ज किया गया है। यह पिछले 23 सालों की तुलना में सबसे अधिक है। इसके पहले 2001 में नवंबर में और 1961 में तापमान 34.9 से अधिक रहा था। फिलहाल मौसम विभाग लखनऊ समेत इसके आसपास के इलाकों में पश्चिमी विक्षोभ और पछुवा हवा चलने पर ही मौसम में बदलाव की उम्मीद कर रहा है।

फोटोग्राफर ने एलडीए कार्यालय पर किया हंगामा,प्री वेंडिंग फोटोशूट चार्ज बढ़ाने से थे नाराज

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ में फोटोग्राफर ने मंगलवार को एलडीए कार्यालय के बाहर हंगामा किया। वे जनेश्वर मिश्र पार्क में प्री वेडिंग फोटो शूट फीस 17 हजार करने से नाराज थे। फीस को कम करने के लिए वे अधिकारियों से मिलने आए थे। जैसे ही आगे बढ़े कार्यालय का मेन गेट बंद कर दिया गया, जिससे फोटोग्राफर भड़क गए और नारेबाजी शुरू कर दी। प्रदर्शनकारी स्क। वीसी से मिलने की मांग कर रहे थे। वीसी के नहीं होने पर अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा से मिलकर शूट फ्री करने की मांग की। फोटो ग्राफर एसोसिएशन के विनोद गुप्ता ने कहा एलडीए की यह व्यवस्था ठीक नहीं है। हम लोग काम नहीं कर पाएंगे। नए नियमों के अनुसार एक प्री वेडिंग शूट के लिए 17 हजार रुपए और जीएसटी चार्ज अलग से देना होगा।

सम्पादकीय.....

बटेंगे तो कटेंगे नारे का चौतरफा विरोध

किसी भी चुनाव के नजदीक आने पर साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण करने की अपनी चिर–परिचित रणनीति एवं परम्परा के अनुपालन में भारतीय जनता पार्टी द्वारा बटेंगे तो कटेंगे का नारा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा पिछले दिनों हरियाणा में हुई एक चुनावी प्रचार रैली में दिया गया था। हरियाणा में भाजपा को मिली सफलता से माना जा रहा था कि महाराष्ट्र एवं झारखंड के चुनावों में भी इसका इस्तेमाल होगा लेकिन जिस प्रकार से इस नारे का विरोध भाजपा के सहयोगी दलों ने कर दिया है उससे लगता है कि इस नारे और इस तरह के अन्य नारों से उसे परहेज करना अपरिहार्य हो जायेगा। इन दोनों राज्यों के साथ देश में कई जगहों पर उपचुनाव भी हो रहे हैं, लेकिन लगता है कि खुद भाजपा ही अब इस बटेंगे तो कटेंगे के नारे को ठंडे बस्ते में डाल देगी। वैसे देश में नफरत भरे नारे देने में सदैव अग्रणी भूमिका निभाने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बटेंगे तो कटेंगे के प्रति नाराजगी को भांपते हुए नया नारा पेश कर दिया है– एक हैं तो सेफ हैं, जिसे आदित्यनाथ के ही नारे का संशोधित संस्करण कहा जा सकता है। अब देखना यह है कि चाहे श्बटेंगे तो कटेंगेश हो या फिर एक हैं तो सेफ हैं का नारा भाजपा को इन दोनों राज्यों के विधानसभाओं चुनावों के साथ कुछ प्रदेशों में होने जा रहे उपचुनावों में कितना फायदा दिलाते हैं। इनमें योगी का अपना राज्य उत्तर प्रदेश भी शामिल है। योगी आदित्यनाथ के नारे का सबसे पहला विरोध महाराष्ट्र में भाजपा के सहयोगी दल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) की ओर से दर्ज हुआ है। इस दल के मुखिया अजित पवार ने कहा कि यह नारा श्उप्र या झारखंड में चलता होगा, यहां महाराष्ट्र में नहीं चलेगा क्योंकि महाराष्ट्र छत्रपति शिवाजी महाराज, राजर्षि शाहू महाराज और महात्मा फुले की धरती है।श उन्होंने साफ किया कि उनका विश्वास श्सबका साथ सबका विकासश में है। उन्होंने इस पर भी रोष जताया कि श्बाहरी लोग आकर ऐसी बातें कह जाते हैं।श उल्लेखनीय है कि भाजपा इस नारे में न केवल भरोसा करती है बल्कि इस सिद्धांत पर चलने का प्रयास भी करती है। यह अलग बात है कि महाराष्ट्र में वह राजनीति नाकाम हो गयीय और इसका भी श्रेय अजित पवार को ही जाता है। पिछले दिनों जब शिवाजी नगर मानखुर्द से एनसीपी (अजित पवार गुट) की ओर से नवाब मलिक को टिकट दिया गया था तो भाजपा ने इसका तीव्र विरोध किया था। अजित पवार ने एक नहीं सुनी और मलिक को अपना उम्मीदवार बनाये रखा। इतना ही नहीं, उनकी पार्टी ने नवाब की बेटी सना मलिक, हसन मुश्रिफ और कुछ दिन पहले कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के गुर्गों द्वारा मारे गये बाबा सिद्दीकी के बेटे को टिकट दी है। एनसीपी (दोनों गुट) साम्प्रदायिक सौहार्द्र में भरोसा करती है अतरू भाजपा के इस नारे की स्वीकार्यता यहां नहीं हो सकती। ऐसे नारों तथा उन्हें उछालने वालों से अजित पवार इतनी दूरी बनाये रखना चाहते हैं कि उन्होंने यहां तक कह दिया है कि मोदी को उनके क्षेत्र में प्रचार करने के लिये आने की जरूरत नहीं है। बटेंगे तो कटेंगे का विरोध एनडीए में बढ़ता हुआ स्पष्ट दिख रहा है। जो जनता दल (यूनाइटेड) मोदी सरकार को समर्थन दे रहा है और उसके बल पर भाजपा सरकार टिकी हुई है, उसी के विधान परिषद सदस्य गुलाम गौस ने पटना में साफ किया कि ऐसे नारे की जरूरत देश को नहीं है। जिन्हें सम्प्रदाय के नाम पर वोट चाहिये उन्हें इसकी आवश्यकता है। गौस ने तर्क दिया कि जब देश के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री हिन्दू हैं तो हिन्दू कैसे असुरक्षित हो सकते हैं?? राष्ट्रीय लोक दल भी एनडीए का हिस्सा है। उसके अध्यक्ष तथा केन्द्रीय मंत्री जयन्त चौधरी से जब पत्रकारों ने श्बटेंगे तो कटेंगेश के बाबत सवाल किया तो वे यह कहकर चलते बने कि यह उनकी बात है। जाहिर है कि आरएलडी इस नारे के साथ नहीं है। हालांकि कुछ लोग इस नारे का साथ भी दे रहे हैं। शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) के संजय निरूपम, जिन्होंने पिछले दिनों कांग्रेस छोड़ी थी, इस नारे को सही ठहराते हुए कहते हैं कि श्अभी अजित पवार को यह बात समझ में नहीं आ रही है। ऐसे ही, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने भी आदित्यनाथ के नारे को उचित कहा है। वे भी एनडीए सरकार में मंत्री है। इस नारे के पक्ष और विपक्ष में जिस तरह से एनडीए के अलग–अलग सहयोगी खड़े हैं उससे यह तो साफ है कि इसके चलते एनडीए में बड़ी फूट पड़ गयी है। कांग्रेस के अनेक वरिष्ठ नेता भी इस नारे के प्रति सख्त विरोध जता चुके हैं, जिनमें खुद पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत शामिल हैं जिन्होंने इस नारे को दुर्भाग्यपूर्ण बतलाया है।

जम्मू कश्मीर में फिर 370 का राग क्यों अलापा जा रहा है?

सुरेश हिंदुस्तानी

जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव के परिणाम के बाद नई प्रदेश सरकार ने फिर से पुराने एजेंडे पर काम करना प्रारम्भ कर दिया है। इससे निश्चित ही यह संकेत मिलता है कि जिस धारा 370 और 35ए के कारण कश्मीर को शेष भारत से अलग दिखने जैसी स्थिति दिखती थी, वैसी ही स्थिति पैदा करने का प्रयास नई सरकार यानी कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा किया जा रहा है। राज्य की नई सरकार का यह कदम पाकिस्तान के हौसले बढ़ाने वाला ही लगता है, क्योंकि पाकिस्तान धारा 370 के कारण ही कश्मीर को अपना बताने का कुचक्र रचता रहा है। धारा 370 के बहाने राज्य को मिले विशेष अधिकारों के चलते ही पाकिस्तान ने अपना नेटवर्क स्थापित किया था, जिसके कारण वहां के नागरिक भारतीय सेना के प्रति अलगाव का व्यवहार करते दिखाई दिए। उस समय पाकिस्तान परस्त आतंकी कश्मीर में युवाओं को भ्रमित करते रहते थे। अब उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार ने जम्मू कश्मीर में फिर से अलगाव के बीज रोपित करने का काम किया है। जिसमें कांग्रेस की भी भागीदारी है। हालांकि कांग्रेस सरकार में शामिल नहीं है, बाहर से समर्थन दे रही है। जम्मू कश्मीर में जब धारा 370 कायम थी, तब राज्य ने क्या खोया था, यह पूरा देश जानता है। घाटी में पाकिस्तान द्वारा

प्रायोजित आतंकी घटनाएं होती रहती थी। वर्तमान केंद्र सरकार ने धारा 370 हटाकर कश्मीर को शेष भारत से समरस करने का काम किया है। इसीलिए आज जम्मू कश्मीर आतंकी गतिविधियों पर लगाम लगा पाने में बहुत हद तक सफल हुआ है। वर्तमान में पूरे देश में समान नागरिक संहिता को लागू करने के स्वर मुखरित होने लगे हैं। समान नागरिक कानून निश्चित ही सभी नागरिकों को समान अधिकार देने का हिमायती है, लेकिन दूसरी ओर जम्मू कश्मीर में अलग संविधान को मान्यता देने वाली धारा 370 को लाने का प्रयत्न किया जा रहा है। यह धारा जम्मू कश्मीर को अलग पहचान देने का काम करती है। इसके चलते कश्मीर का संविधान और ध्वज अलग हो जाएगा, जो भारत के संविधान और तिरंगा से अलग होगा। यह स्थिति डॉ. भीमराव अम्बेडकर के संविधान से अलग प्रकार की होगी। ऐसे में कांग्रेस नेता राहुल गांधी का वह बयान स्वतः ही खारिज हो जाता है, जिसमें वह कहते हैं कि भाजपा संविधान फाड़कर फेंकना चाहती है। इसका एक आशय यह भी प्रादुर्भित होता है कि कांग्रेस संविधान को बचाना चाहती है, लेकिन कांग्रेस कौन से संविधान को बचाना चाहती है, यह और स्पष्ट करना चाहिए, क्योंकि बाबा साहब अम्बेडकर कभी भी जम्मू कश्मीर को अलग दरजा देने के पक्ष में नहीं थे। उन्होंने संविधान में इसको जोड़ने से इंकार कर दिया था। अम्बेडकर जी के मना करने के बाद शेख अब्दुल्ला, प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के पास पहुंचे, जिन्होंने बाबा साहेब अम्बेडकर की भावना को दफन करते हुए शेख अब्दुल्ला को प्रसन्न करते हुए धारा 370 का समावेश संविधान में करा दिया। आज कांग्रेस भले ही इस बात का दम्भ भरे कि वह संविधान को बचाना चाहती है, लेकिन कांग्रेस के कार्य ऐसे लगते नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस की सरकार ने ही आपातकाल लगाकर भारत के नागरिकों के सारे अधिकार छीन लिए थे, जो बहुत बड़ा संविधान विरोधी कदम था। क्योंकि उस समय आपातकाल लगाने जैसी स्थिति नहीं थी। यह सारा खेल अपनी कुर्सी को बचाने के लिए किया गया था। आपातकाल संविधान की हत्या करने जैसा ही था। पांच वर्ष पूर्व केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने अपने वादे के मुताबिक जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा प्रदान करने वाली धारा 370 और 35ए को विलोपित कर दिया। उल्लेखनीय है कि भाजपा का यह कदम किसी भी प्रकार से किसी के विरोध में इसलिए नहीं कहा जा सकता, क्योंकि भाजपा के हर घोषणा पत्र में इस धारा को हटाने की बात की। इन्हीं वादों को पूरा करने के लिए भाजपा को समर्थन मिला। जब जनता ने भाजपा के वादों को पूरा करने के लिए समर्थन दिया, तब स्वाभाविक रूप से यही कहा जा सकता है कि भाजपा ने वही काम किया, जो जनता चाहती थी। अब जम्मू कश्मीर में भारत का संविधान चलता है, राज्य का अपना कोई संविधान नहीं है। इतना ही नहीं जम्मू कश्मीर अब केंद्र शासित प्रदेश है। इसलिए उसके संवैधानिक अधिकार सीमित हैं। इसलिए जम्मू कश्मीर की सरकार संविधान में बदलाव करने का कोई संवैधानिक हक नहीं रखती। यह केंद्र सरकार का काम है। राज्य कोई विधेयक पारित तो कर सकता है, लेकिन वह विधेयक तब तक लागू नहीं हो सकता, जब तक केंद्र की सरकार न चाहे। इसलिए यह कहा जा सकता है कि राज्य की नवगठित सरकार का यह कदम केवल राजनीतिक लाभ के लिए है। देश में कई विपक्षी राजनीतिक दलों ने एक साथ आकर इंडी गठबंधन बनाया है। यह गठबंधन बार बार संविधान बचाने की बात करता रहता है, लेकिन सवाल यह है कि जम्मू कश्मीर में धारा 370 को बहाल करने वाले विधेयक पर कोई भी बोलने को तैयार नहीं है। इसे मौन समर्थन भी माना जा सकता है। कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस की ऐसी कौन सी राजनीतिक मजबूरी है जो धारा 370 और 35ए की बहाली के लिए उनको मजबूर कर रही है। क्या इन दलों को यह पता नहीं है कि इन्हीं कानूनों के कारण ही कश्मीर हिन्दू विहीन हो गया है। क्या यह दल फिर से कश्मीर घाटी को उसी स्थिति में ले जाना चाहते हैं। देश में एक समान कानून होना चाहिए, यह सभी चाहते हैं। लेकिन जम्मू कश्मीर में इसका प्रयोग नहीं किया जा रहा है। जम्मू कश्मीर में अगर धारा 370 बहाल हो जाती है तो निश्चित ही पाकिस्तान परस्त मानसिकता फिर से हावी हो सकती है और जम्मू कश्मीर फिर से अलगाव की स्थिति में आ सकता है। ऐसी स्थिति न बने, इसलिए कश्मीर में भी देश का संविधान ही लागू रहे, यह समय की मांग है और यह कदम जम्मू कश्मीर के हित का भी है।

एएमयू का मैसेज: पढ़ोगे तो बढ़ोगे

शकील अख्तर

एएमयू का मुसलमानों के लिए क्या संदेश है? उनसे शिक्षा की बातें दिखावे के लिए की जाती हैं लेकिन वास्तव में उनकी शिक्षा पर टेढ़ी नजर है। हमने जब–जब मुसलमानों की एजुकेशन पर लिखा संघ भाजपा के लोगों ने सबसे ज्यादा उल्लासित होकर प्रतिक्रियाएं दीं। वे बड़े खुश होकर बताते हैं कि हां मुसलमानों में यह कमी है और वह उसे पूरा नहीं करते। लेकिन जहां वास्तव में मुस्लिम शिक्षा दी जा रही है वह हमेशा उनके निशाने पर रहता है।

ताजा उदाहरण अलीगढ़ मुस्लिम युनिवर्सिटी (एएमयू) है। सुप्रीम कोर्ट के ताजे फैसले के बाद फिर उस पर सवाल उठाना शुरू कर दिए हैं। सात जजों की बेंच ने बहुत गोलमाल फैसला दिया है। जिसे फैसला कहते हैं न्याय नहीं। तीन जजों की एक बैंच फिर बैठेगी ताकि मामला सुलगता रहे और वह बैंच यह फैसला करेगी कि यह माइनरटी संस्थान है या नहीं। फिलहाल जो चार तीन के बहुमत से फैसला हुआ है वह यह कि पहले 1967 में सुप्रीम कोर्ट ने इसका जो माइनरटी दर्जा खत्म करने का फैसला किया था उसे पलट दिया गया। माइनरटी का दर्जा बरकरार रहेगा। साथ ही एक महत्वपूर्ण सवाल यह उठाया कि इसे बनाया किसने था। किनके लिए बनाया था। संसाधान किसने जोड़े थे। जाहिर है कि इसके जवाब में एक ही नाम आएगा सर सैयद अहमद खां का। जिनके अनथक प्रयास से मुसलमानों की शिक्षा के लिए यह इदारा (संस्थान) बना। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि यहां केवल मुस्लिम स्टूडेंट ही पढ़ते हों। यहां सभी धर्मों के लोग पढ़ते हैं और पढ़ाते हैं। एएमयू में हिन्दू स्टूडेंट के पढ़ने पर राही मासूम रजा का एक बड़ा अच्छा उपन्यास है– टोपी शुक्ला।

यहां से पहले ग्रेजुएट जो पास हुए वे ईश्वरी प्रसाद थे। जिन्होंने बाद में प्रसिद्ध इतिहासकार के रूप में अपना नाम किया। दिल्ली के मुख्यमंत्री रहे बीजेपी के नेता साहिब सिंह वर्मा, खिलाड़ियों में मेजर ध्यानचंद, लाला अमरनाथ जैसे खिलाड़ी यहां पढ़े। यूनिवर्सिटी ने ध्यनचंद के नाम पर तो एक होस्टल बनाया है जिसमें केवल हॉकी खिलाड़ियों को ही जगह मिलती है। ध्यानचंद के छोटे बेटे वीरेन्द्र सिंह इस होस्टल में रहे हैं। संगीतकार रवीन्द्र जैन भी वहीं पढ़े हैं। और भी बहुत नाम हैं। विश्वविद्यालय में 30 प्रतिशत से ऊपर हिन्दू छात्र–छात्राएं हैं और मेडिकल लॉ में यह संख्या 40 प्रतिशत है। विदेशी स्टूडेंट भी बहुत पढ़ते है। तीन बार तो यहां महात्मा गांधी आए हैं। बताइए ऐसी और कौन सी यूनिवर्सिटी है जहां गांधी जी इतनी बार गए हों। लेकिन हिन्दू–मुसलमान की राजनीति करने वाले एएमयू और जामिया मिलिया इस्लामिया को हमेशा टारगेट करते रहते हैं। जामिया के आईएएस कोचिंग सेन्टर में बड़ी तादाद में हिन्दू लड़के –लड़कियां तैयारी करते हैं और सिविल सर्विसेस में आते हैं। मगर हिन्दू–मुसलमान के

चश्मे से देखने वाले सिर्फ वहां से निकले मुसलमान लड़के–लड़कियों की लिस्ट ही जारी करके इसे आईएएस जेहाद कहते हैं। मुसलमानों को यही समझने की जरूरत है। कि पढ़ाई पर उन्हें नसीहतें भी दी जाएंगी और पढ़ने पर उलाहने भी। मतलब। उनका पढ़ना बर्दाश्त नहीं है। नसीहतें छोटा दिखाने के लिए दी जाती हैं। लेकिन पढ़ जाओ तो बड़ी तकलीफ होती है।

समझना यही है। पढ़ाई से तकलीफ किसे है? उन्हें जो अब खुलकर बटेंगे तो कटेंगे, एक हैं सेफ जैसे हिंसक शब्दावली के नारे देने लगे हैं। बीजेपी की सारी राजनीति अब केवल ध्रुवीकरण पर केन्द्रित हो गई है। अभी लोकसभा में उन्हें तगड़ा झटका लगा है। देश में केवल 240 सीटें आईं। जो बहुमत की संख्या 268 से 28 कम हैं। और यह पूरी 28 सीटें बीजेपी की यूपी से कम हुई हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी को यूपी से 61 सीटें मिली थीं। इस बार केवल 33 रह गईं। जो झटका लगा वह मूल रूप से यूपी से था। यहां का दलित पिछड़ा वर्ग बीजेपी से छिटक गया। विपक्ष के साथ चला गया। उसी को वापस लाने के लिए यूपी के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने यह नारा दिया है जिसके बारे में कहा जा रहा है कि यह आज तक का सबसे हिसंक, भड़काऊ नारा है–बटेंगे तो कटेंगे। दलित पिछड़े वर्ग से कहा गया है कि अगर हमसे अलग हुए तो यह हो जाएगा! मतलब देश में सरकार, पुलिस सुरक्षा व्यवस्था, कानून कुछ नहीं है। दस साल से सरकार हमारी है। केन्द्र में और सात साल से यूपी में मगर कटोगे! क्या दलित पिछड़े वापस उनके साथ–साथ जाएंगे जो डरा कर उनसे वोट चाह रहे हैं? या उनके साथ जाएंगे जो कह रहें हैं जुड़ेंगे तो जीतेंगे, डरो मत! डरा आप किससे रहे हो? सबको मालूम है। बेटियों तक के लिए कह दिया कि ले जाएंगे। जैसे मंगलसूत्र और भैंस के लिए कहा था। बेटियों को वस्तु पशु बना दिया। काल्पनिक डर। ध्रुवीकरण के लिए। डरो और वोट दो। यह इन्सान को सबसे निचले दर्जे पर रखना है। रोजगार नहीं, महंगाई को खुली छूट, सरकारी इलाज, सरकारी शिक्षा सब खत्म। केवल डर दिखाना। कि हमसे ही तुम बचे हुए हो। नहीं तो? उसके लिए जो शब्द दिया गया है, जिसे समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सबसे निकृष्टतम कहा है कि– कटोगे!

कोई नहीं डरने वाला ऐसे झूठे डराने वालों से। हां देश जरूर कमजोर होगा। एक डरा हुआ देश बनाने की कोशिश से। डरा हुआ देश कैसे विश्व गुरु बन सकता है। यह उन्हें बताना चाहिए। कैसे आगे बढ़ सकता है? तरक्की कर सकता है? या वे चाहते ही नहीं हैं? तरक्की और दुनिया में सम्मानजनक स्थान? इसलिए एक डरा हुआ समाज, डरा हुआ देश बना रहे हैं। पता नहीं! क्या चाहते हैं? वोट वोट वोट! सत्ता सत्ता केवल सत्ता! सोचना लोगों को है। और देश के बहुसंख्यकों को। यह बात हम देश के अल्पसंख्यकों को समझाने की हमेशा कोशिश करते हैं कि आपके जिताए कोई नहीं जीत रहा। न आपके हराए। इन सब के ज्यादा चक्कर में मत पड़िए। देश के बहुसंख्यकों ने ही नरेन्द्र मोदी को 240 पर रोका और योगी आदित्यनाथ को 80 में से केवल 33 दीं।

मुसलमान को इस समय केवल एक मुद्दे पर पूरा ध्यान देने की जरूरत है और वह है एजुकेशन। मार्डन एजुकेशन। शुरू हमने एएमयू से किया है और एएमयू बनाने वाले सर सैयद ने यह शिक्षा संस्थान मार्डन एजुकेशन के लिए बनाया है। हमने जो बात शुरू में लिखी कि आपकी तालीम की कमी पर वे हमला करेंगे। उपदेश भी देंगे। मगर पढ़ने भी नहीं देंगे। रिएक्शनरी फोर्सेस सबसे ज्यादा शिक्षा से घबराती हैं। दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों की शिक्षा ने ही उन्हें आगे बढ़ाया है और उनका आगे बढ़ना यथास्थितिवादियों के लिए सबसे ज्यादा तकलीफ की बात है। क्योंकि पढ़ने आगे बढ़ने के साथ ही वे सामाजिक न्याय की बात करते है और सामाजिक न्याय देना प्रतिगामियों को बिल्कुल मंजूर नहीं है। इसलिए वे दलित, पिछड़ों, आदिवासियों का ध्यान, पढ़ाई, नौकरी, सामाजिक न्याय से हटाने के लिए उनके मन में मुसलमानों के खिलाफ नफरत भरते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप पर कभी भरोसा न करें, उनके ही खेल में अपना खेल खेलें

अंजन रॉय

पहले कभी भी किसी अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव ने दुनिया भर में इतनी व्यापक रुचि और चिंता पैदा नहीं की थी जितनी कि इस वर्ष। ऐसा इसलिए है क्योंकि राष्ट्रपति पद के लिये निर्वाचित डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिका की नीतियों के बारे में आशंकाओं और चिंताओं को जन्म दिया है, जो स्क्रिप्टेड लाइनों का पालन करने का वादा नहीं करती हैं। बीजिंग में सत्ता के हलकों से लेकर यूरोप में नैटो मुख्यालय और मध्य पूर्व की राजधानियों तक हर जगह अनिश्चितता की भावना है। उम्मीद है कि ट्रंप लाभ और हानि के एक नये युग की शुरुआत करेंगे, जिसमें कोई नैतिक मूल्य और स्थायी दोस्ती या दुश्मनी नहीं होगी। भारत को यह मानकर नहीं चलना चाहिए कि ट्रंप भारत और नरेंद्र मोदी के मित्र हैं। इसके बजाय सतर्क रहना चाहिए। शुरुआती रिपोर्टें बताती हैं कि भारत चीजों को हल्के में नहीं ले रहा है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय की एक टीम कथित तौर पर व्यापार और निवेश पर स्थिति पत्र तैयार कर रही है और वाशिंगटन में भारतीय दूतावास को जमीनी स्तर पर भारतीय स्थिति के बारे में जानकारी देने के बारे में भी सोच रही है। अपने पिछले कार्यकाल में और पद से हटने के बाद भी डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी उत्पादों को बाहर रखने के लिए टैरिफ का इस्तेमाल करने के लिए भारत की आलोचना की थी। उन्होंने एक बार प्रतिष्ठित हार्लेडेविडसन मोटर साइकिल का उदाहरण दिया था। ट्रंप ने आरोप लगाया था कि भारत ने हार्ले पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, जिससे मोटरसाइकिल भारतीय बाजारों से बाहर हो गयी है। जमीनी स्तर पर तथ्य यह है कि हार्ले का भारत में एक प्लांट है और जब वह अपने घटकों और भागों को खराब स्थिति में आयात करता है, तो भारतीय हार्ले संचालनको नाममात्र 10प्रतिशत शुल्क देना पड़ता है। जानकारी दिये बिना, ट्रंप ने अक्सर भारत को श्टैरिफ किंगश के रूप में वर्णित किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने आयात के खिलाफ अपने टैरिफ दरों में बढ़ोतरी का प्रस्ताव दिया है, जो कि काफी मासूमियत भरा है, यह सोचकर कि निषेधात्मक स्तर के टैरिफ लगाने के माध्यम से महत्वपूर्ण आयातों को बाहर करने से अमेरिकी उत्पादन में वृद्धि होगी। तथ्य यह है कि अमेरिका ने इन उत्पादों का निर्माण बहुत पहले ही बंद कर दिया था और अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मौजूदा कठोरता फिर से इनके उत्पादन के खिलाफ काम करेगी।

ट्रम्प ने अपने चुनाव अभियान के भाषणों में पनीर के आयात पर कम से कम 60प्रतिशत टैरिफ लगाने का वायदा किया था। अन्य देशों से आयात पर भी इसी तरह के टैरिफ और गैर–टैरिफ अवरोध लगाये जायेंगे, जिनमें संभवतरू भारत और यूरोप में अमेरिका के नैटो सहयोगी देश शामिल हैं। ऐसे टैरिफ अमेरिकी उपभोक्ताओं को नुकसान पहुंचाएंगे और मुद्रास्फीति दर में उछाल आयेगा। इससे भी बड़ी बात यह कि ट्रम्प ने देश के भीतर बड़े कर कटौती का भी वायदा किया है, जिससे मांग में वृद्धि होनी चाहिए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने का वायदा किया है कि अमेरिकी ब्लू कॉलर श्रमिकों को बेहतर डील मिले और वेतन में बढ़ोतरी हो। ऐसे राजकोषीय प्रोत्साहन से मांग में वृद्धि होनी चाहिए क्योंकि उनकी आय का अधिक हिस्सा उपभोक्ताओं के हाथों में होगा। यह टैरिफ के साथ, जो विदेशों से आयात को सीमित और महंगा बना देगा, सामान्य रूप से मूल्य रेखा को बढ़ायेगा। विकल्प या तो वैकल्पिक आपूर्ति लाइनों को व्यवस्थित करना या घरेलू उत्पादन में महत्वपूर्ण उछाल होना चाहिए। दूसरी ओर, आंतरिक रूप से बढ़ती कीमतों के कारण केंद्रीय बैंकिंग प्राधिकरण को मुद्रास्फीति विरोधी नीति का पालन करना चाहिए। इसका मतलब है कि फेडरल रिजर्व को नीतिगत ब्याज दरों में वृद्धि करनी चाहिए। इस प्रकार वायदों की पूरी श्रृंखला के कारण एक बड़ी गड़बड़ी सामने आ रही है। इससे अन्य देशों के लोगों को जरा भी परेशानी नहीं होनी चाहिए, जबकि अमेरिकी उपभोक्ताओं को उनके घरेलू संकट में ही उलझाये रखना चाहिए। लेकिन अमेरिकी अर्थव्यवस्था की स्थिति हमेशा अन्य देशों के लिए वास्तविकता को बदल देती है। एक सुस्त अमेरिकी अर्थव्यवस्था अपने वित्तीय बाजारों और दुनिया भर में वित्तीय प्रवाह को प्रभावित कर सकती है। वायदा किये गये विचित्र आर्थिक नीतियों और जमीन पर इन नीतियों को लागू करने के अपरिहार्य परिणाम के कारण नव निर्वाचित राष्ट्रपति अपने वायदों से पीछे भी हट सकते हैं। तब फिर वह अपनी विश्वसनीयता खो देंगे। आर्थिक नीति के नुस्खों के अलावा, डोनाल्ड ट्रम्प के अन्य वायदे भी उतने ही विध्वंसकारी हो सकते हैं। इस बात की प्रबल भावना है कि ट्रम्प यूक्रेन को समर्थन तुरंत वापस ले लेंगे और यूक्रेनी प्रतिरोध कुछ ही समय में टूट जायेगा। रूस की जीत की ओर ले जाने वाला एक स्पष्ट और त्वरित पतन नरसंहार और हिंसा को समाप्त कर सकता है, लेकिन यह निश्चित रूप से पश्चिमी यूरोप और नैटो के साथ संबंधों को प्रभावित करने वाली एक बहुत ही अलग तरह की मिसाल कायम करेगा। इस तरह के परिणाम से चीन को एक व्यापक क्षेत्र में अपनी मजबूत रणनीति को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। जोखिम ताइवान और उसकी स्वतंत्रता होगी। चीन ताइवान के प्रतिरोध को कुचलना चाहेगा और ताइवान जलडमरू मध्य में अपना अधिकार स्थापित करना चाहेगा। अपने स्वयं के विस्तार की खोज में, चीन अपनी रणनीति का पालन करने के लिए खुद को संकट से मुक्त करने हेतु संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ एक सौदा करने का विकल्प चुन सकता है। चूंकि डोनाल्ड ट्रम्प सौदे करने वाले व्यक्ति हैं, इसलिए वह अपने लक्ष्यों को बढ़ावा देने के लिए चीन के साथ जा सकते हैं। इस मामले में भारत को ट्रम्प और उनकी हरकतों से सावधान रहना चाहिए। अपने चुनाव प्रचार के दौरान भारतीयों की प्रशंसा करते हुए, ट्रम्प आसानी से यह सब भूल सकते हैं और अपनी स्वयं घोषित श्मेक अमेरिका ग्रेट अगेनश मेगा कार्यक्रम का अनुसरण कर सकते हैं। वह अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए भारत को आसानी से छोड़ सकते हैं, बजाय इसके कि वह निरंतरता और नैतिक प्रतिबद्धता के मार्ग पर चलें। दुनिया के लिए, ट्रम्प को उनके ही खेल में खेलना कहीं बेहतर होगा। उनके साथ सौदे करें और अमेरिकी राष्ट्रपति से किसी स्थायी प्रतिबद्धता की उम्मीद न करें। ट्रम्प पर कभी भरोसा न करें, बल्कि अपने खेल के हिसाब से खेलें।

पुष्पा 2 में साउथ ब्यूटी श्रीलीला की एंट्री, दिखाएंगी डांस का जलवा

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की सुपरहिट फिल्म पुष्पा की दूसरी किस्त इसी साल सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। ऐसे में दर्शक फिल्म से जुड़ी हर एक अपडेट को लेकर एक्साइट हैं। इस बीच सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर फिल्म के नर्िमाताओं ने जानकारी दी है कि फिल्म में साउथ ब्यूटी श्रीलीला आइटम सॉन्ग पर डांस करेंगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर श्रीलीला का एक पोस्टर शेयर कर फिल्म के नर्िमाताओं ने जानकारी दी है। उन्होंने कैप्शन में लिखा "टीम पुष्पा 2 द रूल में डांसिंग क्वीन श्रीलीला का सॉन्ग ऑफ द ईयर बनने के लिए स्वागत करती है। आगे लिखा "यह गाना डांस और संगीतमय आनंद देने वाला है। फिल्म इसी साल 5 दिसंबर को दुनिया भर में ग्रैंड रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म में अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना, श्रीलीला, फहाद फासिल मुख्य रोल में हैं। वहीं, श्रीलीला ने सामंथा रुथ प्रभु की जगह ले ली है। सामंथा ने पुष्पा में ऊं अंटावा गाने पर आइटम नंबर किया था।

अपकमिंग फिल्म पुष्पा 2 का निर्देशन सुकुमार कर रहे हैं। एक्शन–थ्रिलर फिल्म की पहली किस्त पुष्पा द राइज है, जो 2021 में रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर ध माल मचाने में कामयाब रही थी। फिल्म का हर एक गाना चाहे वह ष्तेरी झलक श्रीवल्ली हो या ऊं अंटावा सफलता की अलग ही कहानी लिखने में कामयाब रही। पुष्पा 2 फिल्म 5 दिसंबर को इसी साल तेलुगू, तमिल, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। पुष्पा 2 द रूल का नया पोस्टर हाल ही में रिलीज किया गया है। इसमें अल्लू अर्जुन का जबरदस्त अंदाज सामने आया है। पोस्टर में अल्लू अर्जुन के प्रतिष्ठित किरदार पुष्पा राज को एक आकर्षक लुक में दिखाया गया है। यह पोस्टर दिखाता है कि पुष्पा के साथ दुश्मनी का अंत बहुत रोमांचक होने वाला है। माइथ्री मूवी मेकर्स के सोशल मीडिया हैंडल पर अपलोड किए गए पोस्टर पर

> "इसमें अल्लू अर्जुन का जबरदस्त अंदाज सामने आया है। पोस्टर में अल्लू अर्जुन के प्रतिष्ठित किरदार पुष्पा राज को एक आकर्षक लुक में दिखाया गया है। यह पोस्टर दिखाता है कि पुष्पा के साथ दुश्मनी का अंत बहुत रोमांचक होने वाला है।

कैप्शन दिया गया है 'पुष्पा 2 द रूल' के लिए 100 दिन शेष हैं, 6 दिसंबर 2024 को सिनेमाघरों में एक शानदार बॉक्स ऑफिस अनुभव के लिए तैयार हो जाइए। तेलुगू एक्शन फिल्म का लेखन सुकुमार ने किया है। वहीं नवीन यरनेनी और यालामनचिली रविशंकर ने अपने माइथ्री मूवी मेकर्स बैनर के तले इसका निर्माण किया है।

रैना परिवार की बहू बनेगी श्रीदेवी की छोटी बेटी! वेदांग के नाम का ब्रेस्लेट पहन कंफर्म किया रिश्ता

बोनी कपूर और श्रीदेवी की छेटी बेटी खुशी कपूर इस समय अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। लंबे समय से उनका नाम आर्चीज को–स्टार वेदांग रैना संग जुड़ रहा है। दोनों को अक्सर साथ में देखा जाता है। इतना ही नहीं हाल ही में हुए खुशी कपूर के बर्थडे सेलिब्रेशन में भी वेदांग शामिल हुए थे।अब खुशी की एक फोटो वायरल हो रही है जिसमें उन्होंने वेदांग के नाम का ब्रेसलेट पहना है। इस पोस्ट पर लोग कमेंट करके कह रहे हैं कि उन्होंने अपना रिलेशनशिप ऑफिशियल कर दिया है। बीते 1 हफ्ते पहले खुशी कपूर और वेदांग रैना ने पिछले महीने मालदीव में छुट्टियां मनाने की तस्वीरें शेयर की थीं। तस्वीरों को देखकर साफ पता चल रहा था कि उन्होंने साथ में खूब मौज–मस्ती की।श्रीदेवी और बोनी कपूर की बेटी ने जो कई तस्वीरें ऑनलाइन शेयर की हैं उनमें से एक तस्वीर में वो लाल रंग की बिकिनी में नजर आ रही हैं। इस फोटो में खुशी की बिकिनी से ज्यादा उनके ब्रेसलेट ने सभी की अटेंशन अपन तरफ खींची। फोटो में अगर खुशी के ब्रेसलेट क जूम करके देखेंगे तो आपको पता चलेगा कि उसमें वेदांग का नाम लिखा हुआ है।ये देखने के बाद से यूजर्स उनके पोस्ट पर कमेंट करके पूछ रहे हैं कि क्या उन्होंने अपना रिलेशनशिप ऑफिशियल कर दिया है। बता दें खुशी ने हाल ही में अपना 24वां जन्मदिन सेलिब्रेट किया था। उनकी पजामा पार्टी में वेदांग भी शामिल हुए थे। खुशी ने अपने बर्थडे सेलिब्रेशन की फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर की थी।

श्रद्धा कपूर ने सडे के लिए बनाई मजेदार योजना, फैंस से की मीम्स और रील्स में टैग करने की अपील

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर हाल ही में सिनेमाघरों में रिलीज हुई अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म "स्त्री 2" को मिली जबरदस्त सफलता से गदगद हैं। इस बीच अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपनी योजना शेयर की है, जो कि उन्होंने रविवार के लिए बनाई हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर मजेदार पोस्ट शेयर कर अभिनेत्री ने बताया कि वह दिन भर आराम करेंगी और इंस्टाग्राम (मजेदार, फनी रील्स देखेंगी) स्क्रॉल करेंगी। उन्होंने रविवार को अपने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन में शाहरुख खान अभिनीत फिल्म "बाजीगर" की एक रील साझा की। उन्होंने वीडियो पर लिखा, ष्कृपया मुझे मजेदार मीम्स और रील्स में टैग करें। मैं पूरे दिन यही करने की योजना बना रही हूं।" रील में वह सीन दिखाया गया है, जिसमें जॉनी लीवर एक मेहमान के साथ अजीबोगरीब पल बिताते हैं, अभिनेता गलती से अपनी चाय में गलत सामग्री डाल देते हैं और फिर उन्हें अजीब परिस्थिति का सामना करना पड़ता है। बता दें कि "बाजीगर" फिल्म

इरा लेविन के 1953 के उपन्यास "ए किस बिफोर डाइंग" और 1991 में इसी नाम की फिल्म के रूपांतरण पर आध ारित है। फिल्म एक ऐसे युवक की कहानी कहती है जो अपने परिवार के पतन का बदला लेने के लिए दुश्मनों से बदला लेता है। इस फिल्म में शाहरुख खान ने पहली बार बतौर खलनायक भूमिका निभाई थी। यह काजोल की पहली सफलता और शिल्पा शेट्टी की पहली फिल्म थी। "बाजीगर" 12 नवंबर 1993 को दीपावली के त्योहार पर रिलीज हुई थी। ब्लॉकबस्टर फिल्म "बाजीगर" बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने में कामयाब हुई थी। फिल्म में शाहरुख खान और काजोल पहली बार पर्दे पर साथ नजर आए थे।

शाहरुख खान को जान से मारने की धमकी देने वाला शख्स को छत्तीसगढ़ में हिरासत में लिया

मुंबई पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, शाहरुख खान को धमकी भेजने के आरोप में छत्तीसगढ़ के रायपुर में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। फिलहाल, मुंबई पुलिस की टीम रायपुर में मौजूद है और संदिग्ध से पूछताछ कर रही है।फिलहाल संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है, उससे पूछताछ की जा रही है और उसे गिरफ्तार नहीं किया गया है। शाहरुख खान को रायपुर के रहने वाले एक शख्स ने धमकी भरा कॉल किया, जिसके बाद मुंबई पुलिस ने मामला दर्ज किया और जांच के लिए एक टीम रायपुर भी पहुंची। जिस नंबर से बॉलीवुड सुपरस्टार को धमकी भरा कॉल आया था, उसे ट्रेस करने के बाद पता चला कि यह नंबर रायपुर के फैजान के नाम से रजिस्टर्ड है, जिससे पहले पुलिस ने पूछताछ की थी। बांद्रा पुलिस स्टेशन को 5 नवंबर को अभिनेता शाहरुख खान को 50 लाख रुपये की धमकी देने वाला कॉल आया था। जिस व्यक्ति के फोन नंबर से यह धमकी भेजी गई थी, उसने पुलिस को अपना बयान दिया है। रायपुर कोर्ट में वकालत करने वाले फैजान ने बताया कि उनका फोन चोरी हो गया था, जिसकी शिकायत उन्होंने रायपुर में दर्ज कराई थी। फैजान ने आगे कहा कि उन्होंने अपना नंबर बंद न करके गलती की है। गौरतलब है कि फैजान पहले मुंबई के लालबाग में रहते थे और बाद में छत्तीसगढ़ चले गए थे। शाहरुख खान को पहली बार धमकी भरा फोन नहीं आया है। पिछले साल अक्टूबर में भी उन्हें पठान और जवान फिल्मों की सफलता के बाद जान से मारने की ध मकी मिली थी। अभिनेता ने इस संबंध में महाराष्ट्र पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद उन्हें वाई प्लस सुरक्षा दी गई थी।

बेहद खूबसूरत नजर आई 'गदर' की 'सकीना' अमीषा पटेल, फैंस बोले- 'शादी कर लो'

फिल्म इंडस्ट्री की खूबसूरत और हॉट अभिनेत्री अमीषा पटेल 49 की उम्र में भी कमाल की लगती हैं। अभिनेत्री सोशल मीडिया पर अपनी खूबसूरती का जादू चलाने का कोई भी मौका हाथ से जाने नहीं देती हैं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर एक लेटेस्ट वीडियो शेयर किया है, जिसे यूजर्स काफी पसंद कर रहे हैं और बढ़–चढ़कर उनकी शादी को लेकर कमेंट्स कर रहे हैं। अमीषा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर कैप्शन में लिखा ष्मुंबई में रविवारष (संडे इन मुंबई) ग्लैमरस वीडियो की तारीफ के साथ ही अमीषा के प्रशंसकों को सकीना के शादी की फिक्र भी सता रही है। अमीषा के वीडियो पर एक यूजर ने लिखा "मैम शादी कर लो" एक अन्य ने लिखा "आप शादी कब करेंगी" दूसरे ने लिखा "आप अभी भी बहुत खूबसूरत हैं।" वीडियो में अमीषा वन पीस आउटफिट के साथ कार में बैठे–बैठे पोज देती नजर आ रही हैं। वन पीस के साथ उन्होंने काला चश्मा लगा रखा है, जो उन पर काफी फब रहा है। अमीषा ने फिल्म जगत को एक से बढ़कर एक कमाल की फिल्में दी हैं। इस लिस्ट में अनिल शर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म 'गदर' और 'गदर 2' के साथ राकेश रोशन की 'कहो ना प्यार है' जैसी बड़ी हिट शामिल है। अभिनेत्री को सकीना के किरदार ने खासा लोकप्रियता दिलाई । फिल्म में उनकी मासूमियत पर दर्शक फिदा हो गए। वहीं, वास्तविक जीवन में अभिनेत्री बेहद हॉट हैं। 'गदर 2' साल 2023 की पांचवीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म है। फिल्म की दूसरी किस्त में सनी देओल ने तारा सिंह के लोकप्रिय किरदार को निभाया था। वहीं, उनके साथ अमीषा पटेल सकीना के किरदार में थीं। गदर 2 में अभिनेता उत्कर्ष शर्मा उनके बेटे की भूमिका में थे। 2001 में रिलीज हुई श्गदररू एक प्रेम कथाश 1947 में भारत के विभाजन के समय की एक प्रेम कहानी थी, जिसमें तारा सिंह नामक एक ट्रक ड्राइवर को सकीना नाम की एक पाकिस्तानी लड़की से प्यार हो जाता है। दूसरी किस्त 1971 के भारत–पाकिस्तान युद्ध के दौरान सेट की गई थी। फिल्म में तारा सिंह को अपने बेटे जीते को बचाने के लिए पाकिस्तान लौटते हुए दिखाया गया, जिसे पाकिस्तान के अधिकारियों ने कैद कर लिया था।

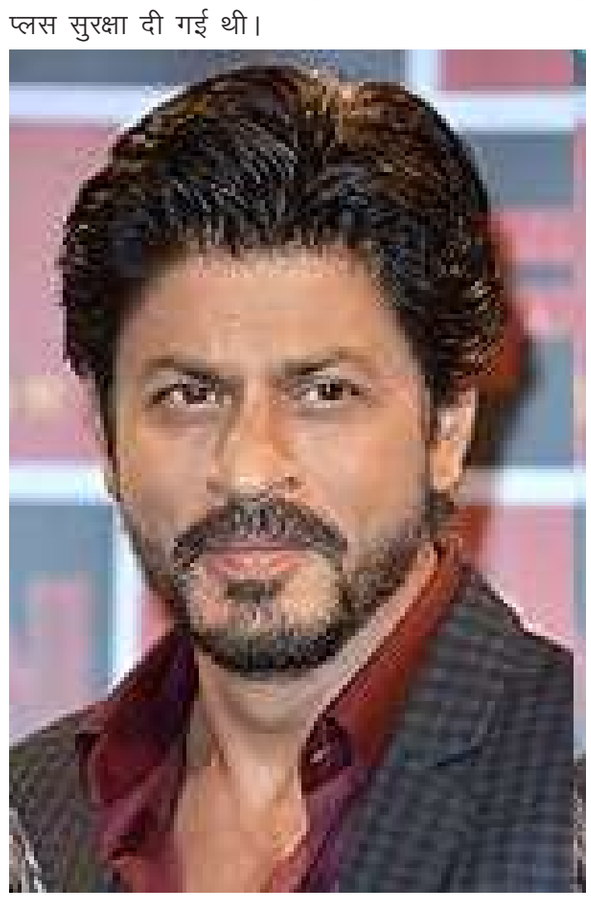

छोले के साथ बेहद टेस्टी लगता है अमृतसरी कुलचा, तवे पर बनाने के लिए फॉलो करें ये रेसिपी

अगर आप भी लंच में कुछ चटपटा बनाकर खाना चाहते हैं तो छोलों के साथ ट्राई करें अमृतसरी कुलचा की ये टेस्टी रेसिपी। इस रेसिपी की खासियत यह है कि यह टेस्टी होने के साथ बनाने में भी बेहद आसान है। इसे बनाने के लिए आपको तंदूर की जरूरत भी नहीं पड़ती है। आप इन कुलचों को तवे पर भी तैयार कर सकते हैं। तो आइए बिना देर किए झटपट जान लेते हैं क्या है अमृतसरी कुलचा बनाने की रेसिपी।

अमृतसरी कुलचा बनाने के लिए सामग्री–

कुलचे के डो के लिए–

–1 किलो मैदा

–400 मिली. पानी

–एक चुटकी नमक

–100 मिली कनोला ऑयल

फीलिंग बनाने के लिए–

–1 कप प्याज कटा हुआ

–1/2 किलो आलू

–2 छोटे चम्मच साबुत धनिया रोस्ट और क्रश्ड किया हुआ

–2 छोटे चम्मच अदरक टुकड़ों में कटा हुआ

–थोड़ा सा हरा धनिया टुकड़ों में कटा हुआ

–1 हरी मिर्च कटी हुई

–1 टेबल स्पून अनारदाना क्रश्ड किया हुआ

–नींबू का रस

अमृतसरी कुलचा बनाने का तरीका–

अमृतसरी कुलचा बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में मैदा और नमक डालकर उसका आटा गूंथकर उसे गीले कपड़े से ढककर एक घंटे के लिए अलग रख दें। अब कुलचे की फीलिंग तैयार करने के लिए कनोला ऑयल को छोड़कर सभी सामग्री अच्छी तरह मिलाकर सीजनिंग चेक कर लें। अब अपनी हथेलियों और उगंलियों पर तेल लगाकर आटे की छोटी–छोटी लोईयां बना लें। इन लोईयों में फीलिंग भरकर उसे पतला करते हुए बेलन की मदद से इसके किनारों को पतला कर लें। अब एक नॉनस्टिक पैन गर्म करके उसके किनारों पर कनोला ऑयल लगाते हुए कुल्चे को दोनों तरफ से अच्छी तरह सेक लें। आपका टेस्टी अमृतसरी कुलचा बनकर तैयार है।

बच्चों के लिए बनाएं टेस्टी मसाला पराठा, दही के साथ लगते हैं लाजवाब

बच्चों को हर दो से तीन घंटे में कुछ ना कुछ खाने की जरूरत होती है। क्योंकि वो ज्यादा एनर्जी वेस्ट करते हैं और भूख जल्दी लग जाती है। ऐसे में उन्हें पोषक तत्वों से भरपूर चीजें देने के साथ ही कुछ ऐसा फूड खिलाना चाहिए जो उनके पेट को देर तक भरा रखे। अगर बच्चे शाम के नाश्ते में बाहर का चटपटा

खाने की डिमांड करते हैं तो उन्हें मसाला पराठा फटाफट बनाकर खिला सकते हैं। साथ ही इसे बनाने में ज्यादा वक्त भी नहीं लगता। तो चलिए जानें कैसे फटाफट आप मसाला पराठा बना सकती है। आप चाहें तो इसे वीकेंड पर ब्रेकफास्ट में भी रेडी कर सकती हैं। बच्चे–बड़े सब इसे दही या रायता के साथ खाना पसंद करेंगे।

मसाला पराठा बनाने की सामग्री

गेहूं का आटा 1 कप

बारीक कटी धनिया दो से तीन चम्मच

बारीक कटी हरी मिर्च एक

चाट मसाला एक चम्मच

भुनी धनिया का पाउडर

भुना जीरा पाउडर

थोड़ी सी लाल मिर्च

कलौंजी या मंगरैल

मसाला पराठा बनाने की विधि

सबसे पहले पराठे के लिए आटा गूंथ लें। अब इस आटे की लोई बनाकर रोटी बेल लें। अब इस बेली रोटी पर घी या बटर लगाएं। फिर इसके ऊपर मसालों को छिड़कें। कलौंजी, धनिया पत्ती, लाल मिर्च, चाट मसाला, थोड़ा सा नमक, भुना जीरा, भुनी धनिया का पाउडर छिड़ककर चम्मच से फैला दें। अब इस रोटी के एक चौथाई हिस्से पर कट लगाएं और इसे पराठे के ट्राएंगल शेप में मोड़ दें और बेल लें। अब तवे को गर्म करें और पराठे को डालें। जब ये सिंकने लगे तो घी लगाकर दोनों तरफ से खूब दबा–दबाकर सेंक लें। बस तैयार है टेस्टी मसाला पराठा। आप चाहें तो इसमे मसालों को बढ़ा या घटा सकती हैं बच्चों की पसंद के मुताबिख बस तैयार गर्मागर्म पराठों को दही, रायता या चटनी के साथ सर्व करें। वैसे बच्चे इसे ऐसे ही खाना भी खूब पसंद करते हैं।

बच्चे की दूध की बोतल ऐसे करें साफ, वरना बढ़ सकता है इंफेक्शन का खतरा

नवजात शिशु के संपूर्ण विकास के लिए उसकी मां का दूध ही सर्वोत्तम आहार माना गया है। लेकिन अगर किसी वजह से बच्चे के लिए मां का दूध पूरा नहीं हो पाता तो माएं उसे बोतल से दूध पिलाना शुरू कर देती हैं। लेकिन अगर बच्चे को फीड करवाने के बाद बोतल को सही तरीके से साफ और स्टेरलाइज ना किया जाए तो इससे बच्चे के संक्रमित होकर बीमार होने की संभावना काफी ज्यादा बढ़ जाती है। ऐसा इसलिए क्योंकि नवजात शिशु बाकी लोगों की तुलना में रोगाणु, बैक्टीरिया, वायरस और अन्य सूक्ष्मजीवों के लिए अतिसंवेदनशील होते हैं। ऐसे में अगर आप भी अपने बच्चे को बोतल से फीड करवा रही हैं तो उसे सेहतमंद बनाए रखने के लिए जान लें क्या है उसकी दूध की बोतल को साफ करने का सही तरीका।

गर्म पानी से धोएं दूध की बोतल–

इस उपाय को अपनाने के लिए सबसे पहले बच्चे की बोतल को खोलकर अच्छी तरह साफ करने के बाद एक बड़े पैन में पानी डालकर उसमें 5 मिनट तक उबलने के लिए रख दें। इस बात का ध्यान रखें कि बोतल के सभी हिस्से पानी में अच्छी तरह से डूब जाएं। इसके बाद पानी ठंडा होने पर बोतल के हिस्सों को निकाल लें। अब इन्हें दूसरे ठंडे पानी से धो लें और बोतल के हिस्सों को हवा में सूखने दें।

ब्लीच की लें मदद–

बच्चे की दूध की बोतल को डिसइंफेक्ट करने का ब्लीच भी एक असरदार उपाय हो सकता है। इस उपाय को करने के लिए आप सबसे पहले 10–12 कप पानी में 2 चम्मच ब्लीच मिलाएं। अब बोतल को खोलकर उसके सभी हिस्सों को ब्लीच के पानी में 5 मिनट तक डाल दें। ध्यान रखें, इसके बाद बोतल को सामान्य पानी से साफ न करें वरना बोतल में कीटाणु पनप सकते हैं। बोतल को यूज करने से पहले उसे हवा में सूखने दें।

बचे दूध को बोतल में ही रखा न छोड़ें–नवजात शिशु को बोतल से दूध पिलाने के बाद बचे हुए दूध को कभी भी बोतल में ऐसे ही ना छोड़ें। बच्चे को हर बार दूध पिलाते ही तुरंत बचे हुए दूध को बोतल से निकालकर धो दें।

ब्रश का उपयोग–

आप बच्चे की बोतल को साफ करने के लिए उसके सभी हिस्सों को गर्म और साबुन के पानी से भी धो सकते हैं। इसके लिए आप ब्रश की सहायता भी ले सकती हैं। बोतल धोने के बाद उन्हें हवा में सूखने के लिए छोड़ दें।

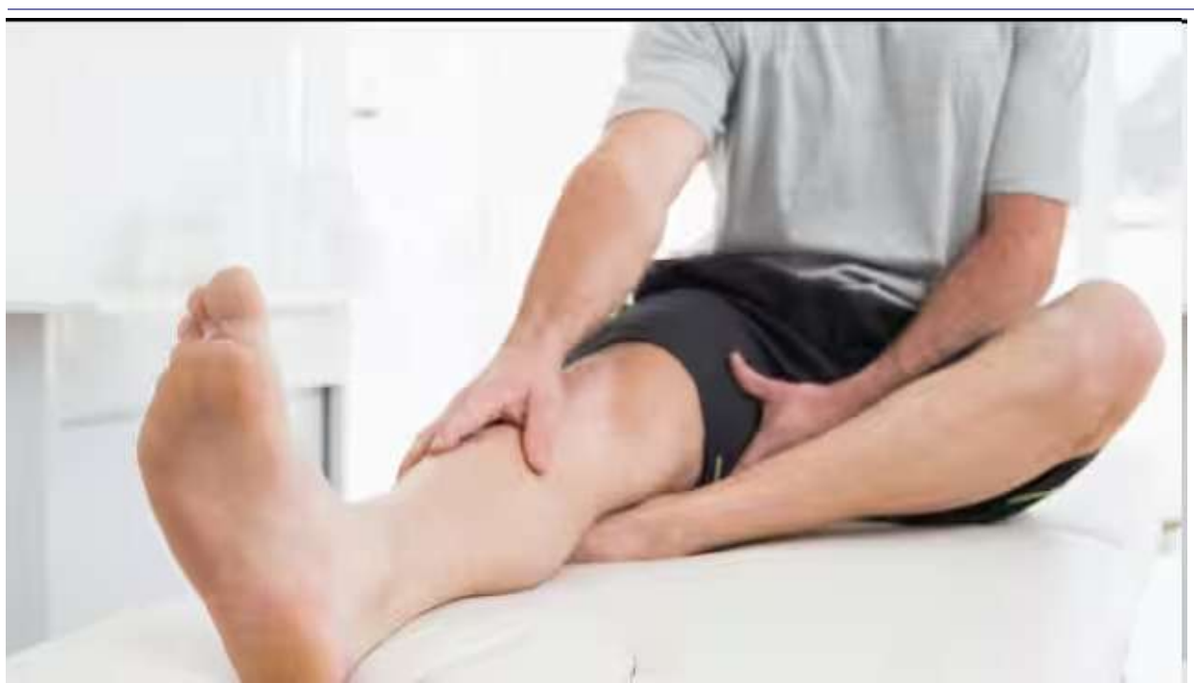

40 के बाद ये आदतें बिगाड़ देती हैं पैरों की सेहत, होने लगती हैं समस्याएं

40 के बाद फिजिकल हेल्थ का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। क्योंकि ज्यादातर बीमारियों का अटैक इसी एज में होना शुरू हो जाता है। हाई बीपी और डायबिटीज के साथ ही हड्डियों की डेंसिटी कम होने लगती है। जिसकी वजह से ज्वाइंट्स में दर्द होने लगता है। कई बार तो फिटनेस रूटीन को स्ट्रिक्टली फॉलो करने के बाद भी पैरों में दर्द की शिकायत रहती है। खासतौर पर ये समस्या 40 की उम्र पार करने के दौरान ये दर्द बढ़ जाता है। जिसकी वजह फिटिनेस रूटीन की कुछ गलत आदते हैं। जिन्हें छोड़ देने में ही भलाई है।

लेग्स की ओवरट्रेनिंग

बहुत सारे फिटनेस फ्रीक लोग पैरों की एक्सरसाइज पर ज्यादा ध्यान देते हैं और ओवर ट्रेनिंग करने लगते हैं। जिसकी वजह से पैरों में थकान, कमजोरी, चोट और मांसपेशियों में खिंचाव हो जाता है। ऐसे में जरूरी है कि अपने शरीर की सुनें और चोट लगने या दर्द होने पर पैरों को राहत दें। नहीं तो ये समस्या उम्र के साथ बढ़ सकती है।

स्ट्रेचिंग ना करना

फिटनेस फ्रीक लोगों के लिए कॉर्डियो और वेट लिफ्टिंग सबसे अहम एक्सरसाइज होती है। लेकिन फिट रहने के लिए और एक्सरसाइज शुरू करने से पहले स्ट्रेचिंग सबसे जरूरी है। ये बिल्कुल बेसिक एक्सरसाइज होती है जिसे अधिकतर लोग स्किप कर देते हैं और हल्के में लेते हैं। लेकिन स्टडी के मुताबिक स्ट्रेचिंग ना केवल चोट और मसल्स में खिंचाव से बचाता है बल्कि शरीर की फ्लेक्सिबिलिटी को मेंटेन करता है।

कठिन एक्सरसाइज करना

फिटनेस को मेंटन करने के लिए रनिंग बहुत अच्छी एक्सरसाइज है। लेकिन 40 के बाद हाई इंटेसिव एक्सरसाइज करने से बचें। इसमे रनिंग भी शामिल है। दौड़ने से पैरों और घुटनों पर ज्यादा प्रेशर पड़ता है। इसलिए रनिंग के लिए अच्छे रनिंग शूज के साथ ही अच्छे जॉगिंग ट्रैक की भी जरूरत होती है। इसे इग्नोर करना पैरों की सेहत पर असर डालता है।

ना करें पैरों के दर्द को इग्नोर

अगर शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द हो रहा है तो उसे इग्नोर ना करें। पैरों में दर्द है तो वर्कआउट को छोड़कर किसी प्रोफेशनल से सलाह लें और इस दर्द को ठीक करने का काम करें। मसल्स की चोट को ठीक करना जरूरी है नहीं तो ये फ्यूजर में दर्द को बढ़ा सकती है।

क्या आपको भी है यूरिन रोककर बैठे रहने की आदत ? नुकसान जान लें वरना पछताएंगे

क्या आप भी ट्रेवलिंग के दौरान, ऑफिस मीटिंग या किसी और वजह से घंटों अपना यूरिन रोककर बैठे रहते हैं? अगर जवाब हां है तो अपनी यूरिन रोककर बैठे रहने की आदत तुरंत बदल डालिए। आपके ऐसा करने से आप अनजाने में ही सेहत से जुड़ी कई समस्याओं को न्यौता दे रहे होते हैं। आइए जानते हैं घंटों यूरिन रोककर बैठे रहने से सेहत को होते हैं क्या नुकसान।

पेशाब रोककर बैठे रहने से होते हैं ये नुकसान–

–व्यक्ति के ब्लैडर में कई अपशिष्ट पदार्थ मौजूद होते हैं, जो अगर यूरिन की मदद से समय पर शरीर से बाहर नहीं निकलते तो किडनी और ब्लैडर को डैमेज कर सकते हैं। ज्यादा देर तक यूरिन रोककर बैठने पर थैली पर प्रेशर पड़ता है जिससे ब्लैडर की मांसपेशियां कमजोर होती हैं, कई बार तो ये फट भी जाती हैं।

–पेशाब को देर तक रोककर बैठने से व्यक्ति को यूटीआई इंफेक्शन का खतरा भी बढ़ सकता है। पेशाब शरीर का डिटॉक्सीफाइंग प्रोसेस है लेकिन जब व्यक्ति इसे रोकता है तो ये बैड बैक्टीरिया को शरीर में बढ़ाने का काम करता है। जिसकी वजह से शरीर का पीएच बैलेंस बिगड़ जाता है और उसे यूटीआई इंफेक्शन की समस्या परेशान करने लगती है।

–देर तक पेशाब रोकने से किडनी की सेहत पर भी बुरा असर पड़ता है। अधिक समय तक पेशाब रोकने से शरीर का फिल्टर प्रोसेस खराब हो जाता है और व्यक्ति को किडनी से जुड़ी समस्याएं जैसे– पीठ दर्द, पेट के निचले हिस्से और पसलियों में दर्द होना,त्वचा में खुजली, सूखापन होने लगती हैं।

–लंबे समय तक पेशाब रोकने से आपको यूरिनरी रिटेंशन की समस्या भी परेशान कर सकती है। यह वह स्थिति होती है जब मूत्राशय पूरी तरह से खाली नहीं हो पाता और पीड़ित को दर्द और असुविधा के साथ पेशाब करने में परेशानी होने लगती है।

–ज्यादा देर तक पेशाब रोककर बैठे रहने से पेशाब में जलन और दर्द महसूस हो सकता है।

–पेशाब को ज्यादा देर रोककर रखने से मूत्राशय की दिवारे कमजोर होने लगती है। ऐसा लंबे समय तक होने पर ब्लैडर डैमेज होने का खतरा बना रहता है। जो बाद में यूरिन लीक होने का कारण भी बन सकता है।

घर पर बनाएं बादाम-पिस्ता बिस्कुट, खाकर आ जाएगा मजा

बादाम–पिस्ता बिस्कुट को चाय या फिर कॉफी के साथ खाया जा सकता है। यह बिस्कुट बिना अंडे के तैयार होते हैं इसलिए हर कोई इनका लुत्फ उठा सकता है। इसके अलावा ये बिस्कुट मैदा की जगह आटे से तैयार होते हैं। ऐसे में ये और भी ज्यादा हेल्दी हैं। आप एक ही बार में खूब सारे बिस्कुट बना सकते हैं और फिर इन्हें एयरटाइट कंटेनर में कुछ हफ्तों के लिए स्टोर कर सकते हैं। यहां जानिए इन बिस्कुट की रेसिपी–

बिस्कुट बनाने के लिए आपको चाहिए...

2 कप गेहूं का आटा

2/4 कप रवा

2/4 कप ओट्स का आटा

2 छोटा चम्मच इलायची पाउडर

1 कप गुड़

7–10 बड़े चम्मच घी

10–15 बड़े चम्मच दूध

2/4 कप कटे हुए बादाम और पिस्ता

2 छोटा चम्मच बेकिंग पाउडर

कैसे बनाएं : इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में गुड़, घी और दूध को अच्छे से उबाल लें। ताकी गुड़ पिघल जाए। फिर एक बर्तन में गेहूं का आटा, रवा और ओट्स का आटा लें। फिर इसमें इलायची पाउडर, बारीक कटे बादाम और पिस्ता, बेकिंग पाउडर डालें। इसमें गुड़ का घोल भी डालें और अच्छे से मिक्स करें। अब हाथों पर घी लगाएं और इस मिश्रण के छोटे–छोटे टुकड़े लें और फिर गोल करें। इसे चपटा करें और फिर हल्के हाथों से कोई शेप दें। अप एक ट्रे पर बटर पेपर बिछाएं और सभी बिस्कुट इसी पर रखें। अब बिस्कुट को 180 डिग्री सेल्सियस पर 20 मिनट के लिए पहले से गरम ओवन में बेक करें।

संक्षिप्त

कपड़ा मंत्री निफ्ट पाठ्यक्रम में एआई, ब्लॉकचेन को शामिल करने के पक्ष में

नयी दिल्ली । केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) के पाठ्यक्रम में कृत्रिम मेध ा (एआई) और ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी को शामिल करने की वकालत की। यहां चार निफ्ट परिसरों के संयुक्त दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कपड़ा मंत्री ने कहा कि देश 'विकसित भारत' बनने की ओर अग्रसर है और निफ्ट से निकलने वाले नए स्नातकों को अगले चार से पांच साल में नौकरी मांगने वाले के बजाय नौकरी देने वाला बनना चाहिए। उन्होंने सभी स्नातक विद्यार्थियों को बधाई दी तथा उन्हें कपड़ा क्षेत्र में देश के गौरव को सुदृढ़ करते हुए 'ब्रांड इंडिया' के निर्माण का लक्ष्य दिया। कपड़ा मंत्रालय द्वारा जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि समारोह में सिंह ने सभी 19 निफ्ट के पाठ्यक्रम में एआई और ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी को शामिल करने की अनिवार्य आवश्यकता पर बल दिया। निफ्ट ने अपने 2023–24 स्नातक बैच के विद्यार्थियों के लिए भारत मंडपम में दीक्षांत समारोह आयोजित किया। संयुक्त दीक्षांत समारोह में चार निफ्ट परिसरों– दिल्ली, रायबरेली, कांगड़ा और पंचकूला के छात्र शामिल हुए। बयान में कहा गया है कि 2024 में स्नातक करने वाले निफ्ट के 80 प्रतिशत से अधिक छात्रों को पहले ही 18 लाख रुपये के शीर्ष पैकेज के साथ पाठ्यक्रम के दौरान नौकरी मिल चुकी है।

इंडिगो बोइंग 777 विमानों की 'वेट लीज' अवधि बढ़ाने के लिए नागर विमानन मंत्रालय के साथ कर रही है काम

नयी दिल्ली । विमानन कंपनी 'इंडिगो' नागर विमानन मंत्रालय के साथ मिलकर टर्किश एयरलाइंस से पट्टे पर लिए 'वाइड–बॉडी' बोइंग 777 विमानों की अवधि बढ़ाने की संभावना तलाश रही है, क्योंकि मौजूदा अवधि इस सप्ताह समाप्त हो रही है। इंडिगो वर्तमान में दिल्ली और मुंबई से इस्तांबुल तक की उड़ानों के लिए 'वेट–लीज' पर लिए दो बोइंग 777 विमानों का संचालन कर रही है। उसके बेड़े में ये दो ही 'वाइड–बॉडी' विमान हैं। इंडिगो भारत की सबसे बड़ी विमानन कंपनी है जिसकी घरेलू बाजार में हिस्सेदारी 62 प्रतिशत से अधिक है। मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया कि कंपनी को विमान पट्टे पर दिए जाने की अवधि का विस्तार नहीं मिल पा रहा है। संपर्क करने पर इंडिगो के प्रवक्ता ने सोमवार को 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि एयरलाइन '' 'वेट लीज' को बढ़ाने के वास्ते समाध ाान तलाशने के लिए मंत्रालय के साथ काम कर रही है। हमारी एओजी (एयरक्राफ्ट ऑन ग्राउंड) से संबंधित क्षमता संबंधी बाध ााओं में सुधार हो रहा है लेकिन यह पूरी तरह से खत्म नहीं हुई हैं।'' 'वेट लीज' से तात्पर्य विमान को पट्टे पर मुहैया कराने के साथ–साथ उसके चालक दल के सदस्य, रखरखाव तथा बीमा संबंधी जरूरतों को भी पट्टे पर दिया जाने से है। इंडिगो द्वारा 14 नवंबर तक दिल्ली और मुंबई से इस्तांबुल के लिए दो बोइंग 777 विमानों का परिचालन किया जाएगा। वेबसाइट 'फ्लाइट रडार 24 डॉट कॉम' पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, 15 नवंबर से एयरलाइन इन मार्गों पर ए321 विमानों का संचालन करेगी।

सैटकॉम स्पेक्ट्रम आवंटन पर 15 दिसंबर तक अपनी सिफारिशों को अंतिम रूप दे सकता है ट्राई

नयी दिल्ली । भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) उपग्रह संचार के लिए स्पेक्ट्रम आवंटन से संबंधित प्रस्तावित नियमों पर अपनी सिफारिशों को 15 दिसंबर तक अंतिम रूप दे सकता है। सरकार ट्राई की सिफारिशों का मूल्यांकन करेगी और उसके बाद उपग्रह संचार (सैटकॉम) कंपनियों को स्पेक्ट्रम आवंटित करने पर निर्णय लेगी, जिससे देश में उपग्रह आधारित ब्रॉडबैंड सेवाओं का रास्ता खुलेगा। एक सूत्र ने कहा, "ट्राई सैटकॉम स्पेक्ट्रम आवंटन पर 15 दिसंबर तक सिफारिश भेजने के लिए काम कर रहा है। खुली चर्चा के दौरान कई मुद्दे उठाए गए, जिनमें से कुछ परामर्श पत्र से परे थे। उन बिंदुओं पर भी गौर करने की जरूरत है।" पिछले सप्ताह ट्राई ने कुछ उपग्रह–आधारित वाणिज्यिक संचार सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम आवंटन की शर्तों और नियमों पर खुली चर्चा आयोजित की थी। रिलायंस जियो और भारती एयरटेल जैसी दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनियां चाहती हैं कि पूरे देश में पूर्ण गतिशीलता के लिए स्पेक्ट्रम का आवंटन केवल नीलामी के माध्यम से किया जाना चाहिए। हालांकि, एलन मस्क की स्टारलिंक और अमेजन की प्रोजेक्ट कुइपर जैसी वैश्विक कंपनियों और अन्य उपग्रह संचार कंपनियां सैटकॉम स्पेक्ट्रम के प्रशासनिक आवंटन का समर्थन करती हैं। स्थलीय कंपनियों और उपग्रह आकांक्षी कंपनियों के बीच स्पष्ट रूप से मतभेदों के बीच ट्राई की कई घंटों तक चली मैराथन खुली चर्चा में दूरसंचार कंपनियां रिलायंस जियो और भारती एयरटेल एक साथ आईं। दोनों कंपनियों ने भारत द्वारा सैटकॉम स्पेक्ट्रम के लिए मानदंड तय किए जाने के संबंध में समान अवसर की आवश्यकता के बारे में एक स्वर में बात की।

बहुत गति और उछाल होगी.., पर्थ टेस्ट से पहले आया क्यूरेटर का बयान, बताया कैसी होगी पिच

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली जाने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में अब 10 दिन का समय शेष है। 22 नवंबर से दोनों टीमों के बीच बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी का आगाज होगा। पहला मुकाबला पर्थ में खेला जाएगा। यहां की पिच से अच्छी गति और उछाल मिलने की संभावना है। इसकी जानकारी पिच क्यूरेटर ने दी। बता दें कि, आगामी सीरीज के लिए भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया पहुंच चुकी है और किसी पर्थ टेस्ट में रोहित शर्मा के खेलने पर संशय है। वह भारतीय टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अभी नहीं गए हैं। अगर वह इस मुकाबले में नहीं खेलते हैं तो हिटमैन की जगह जसप्रीत बुमराह टीम की अगुआई करते नजर आएंगे। वहीं, मैच से पहले वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट के मुख्य क्यूरेटर इसाक मैकडोनाल्ड ने ऑप्टस स्टेडियम की पिच को लेकर ईएसपीएनक्रिकइनफो से कहा, ष्यह ऑस्ट्रेलिया है, यह पर्थ है३ मैंने काफी अच्छी गति और काफी अच्छे उछाल की तैयारी की है। मैकडोनाल्ड उसी तरह की पिच तैयार करने का प्रयास कर रहे हैं जो उन्होंने पिछले साल दिसंबर में पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए तैयार की थी। उस मैच में पाकिस्तान की टीम दूसरी पारी में सिर्फ 89 रन पर सिमट गई थी और ऑस्ट्रेलिया ने 360 रन की बड़ी जीत दर्ज की थी। ऑस्ट्रेलिया के तीन तेज गेंदबाजों पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और मिशेल स्टार्क ने पाकिस्तान के 20 में से 12 विकेट चटकाए थे। मैकडोनाल्ड ने कहा कि वह पिच पर थोड़ी घास छोड़ने के बारे में सोच रहे हैं। उन्होंने कहा, यह (10 मिमी) अच्छा रहेगा। पिछले

साल की परिस्थितियों को देखते हुए 10 मिमी काफी सहज था और शुरुआती कुछ दिन पिच काफी अच्छी रही थी। पिच पर घास का मतलब है, गति। पिछले साल दोनों गेंदबाजी आक्रमण (ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान) काफी तेज थे और इस साल भी ऐसा ही उम्मीद है (भारत के खिलाफ मैच के लिए)। इस सीरीज में भारतीय टीम की नजर ऑस्ट्रेलिया में लगातार तीसरी सीरीज जीतने पर है। इससे पहले टीम इंडिया ने 2018–19 और 2020–21 में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की थी। 2014 से भारतीय टीम कंगारुओं के खिलाफ एक भी टेस्ट सीरीज नहीं हारा है। अब रोहित शर्मा के नेतृत्व वाली टीम की नजर एक और जीत के साथ इस क्रम को आगे बढ़ाने पर होगी। मालूम हो कि, भारत को हर हाल में इस सीरीज पर कब्जा जमाना होगा। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के लिहाज से यह सीरीज उनके लिए काफी अहम है। किसी और टीम या नतीजे पर निर्भर रहे बिना फाइनल में पहुंचने के लिए टीम इंडिया को इन पांच में चार टेस्ट में जीत दर्ज करनी होगी और एक टेस्ट ड्रॉ करना होगा।

बारबोरा क्रेजिसिकोवा के शरीर पर टिप्पणी करना इस कमेंटेटर को भारी पड़ा, नौकरी से धोना पड़ा हाथ

टेनिस स्टार बारबोरा क्रेजिसिकोवा खेल की दुनिया का बड़ा नाम है। उन्होंने कई खिताब अपने नाम किए हैं। बारबोरा ने अपने खेल के जरिए नाम और शोहरत कमाई है। लेकिन उनके खेल के अलावा उनके शरीर पर टिप्पणी की गई तो खिलाड़ी भड़क गई। उन्होंने न सिर्फ बयान देने वाले को बल्कि उन सभी को सबक दिया जो कि महिला खिलाड़ियों पर इस तरह की टिप्पणी दिया। टेनिस चौनल पर कमेंट्री करते हुए पत्रकार जॉन वरथिम ने बारबोरा के माथे को लेकर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा कि, आपको क्या लगता है, मैं क्या कहूं? बारबोरा क्रेजिसिकोवा। मेरा माथा देखो, ऐसा लग रहा है कि क्रेजिसिकोवा और जेंग कोर्ट पर हों। एक नहीं आठ माथे है। ये बयान बारबोरा को पसंद नहीं आया। उन्होंने इस अनप्रोफेशनल कमेंट्री बताया। बारोबरा ने एक्स पर लिखा कि, आप हाल ही में टेनिस चौनल पर डब्ल्यूटीए फाइन्स के दौरान मेरी अपियरेंस को लेकर बयान दिया गया है कि न कि मेरे खेल पर। एक एथलीट के तौर पर मैंने इस खेल को बहुत कुछ दिया है और ये देखना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। ये पहली बार नहीं है जब खेले की दुनिया में ऐसा हुआ है। मैं ज्यादातर समय कुछ नहीं बोलती हूं, हालांकि, मुझे लगता है कि ये समय है कि स्पोर्ट्स मीडिया में इज्जत और प्रोफेशनल होने को लेकर बात की जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि, इस तरह के लम्हे आपको खेल और खिलाड़ियों की डेडिकेशन से दूर करते हैं। मुझे टेनिस खेलना बहुत पसंद है। मैं चाहती हूं कि इसे तरह दिखाए जो कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए किए गए कमिटमेंट को दिखाए। वहीं जॉन विरथिम को इस बयान को देने के कारण अनिश्चित समय के लिए पैनल से हटा दिया गया है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि, टेनिस चौनल ये मानता है कि सभी के लिए इज्जत होनी चाहिए। इस बार ऐसा नहीं हुआ। हमने बारबोरा से भी माफी मांगी है।

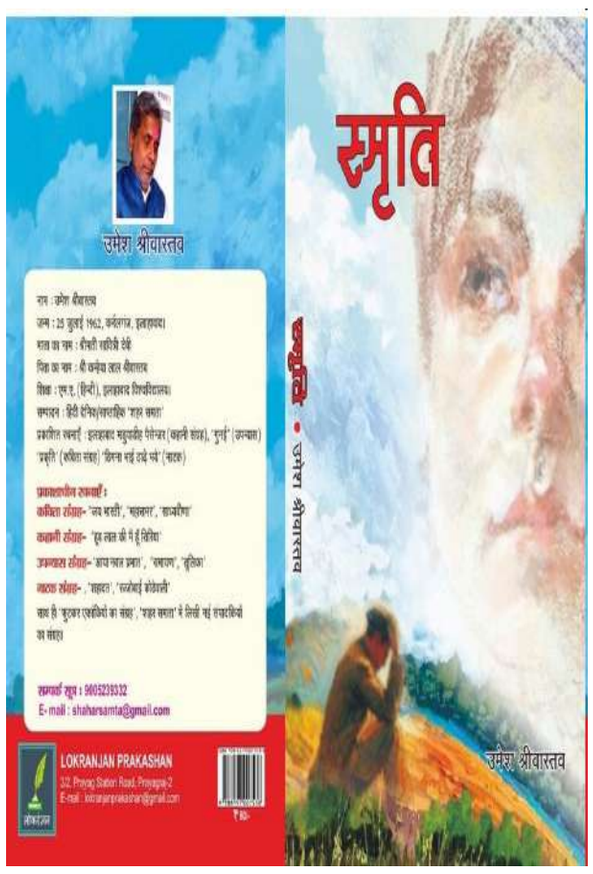

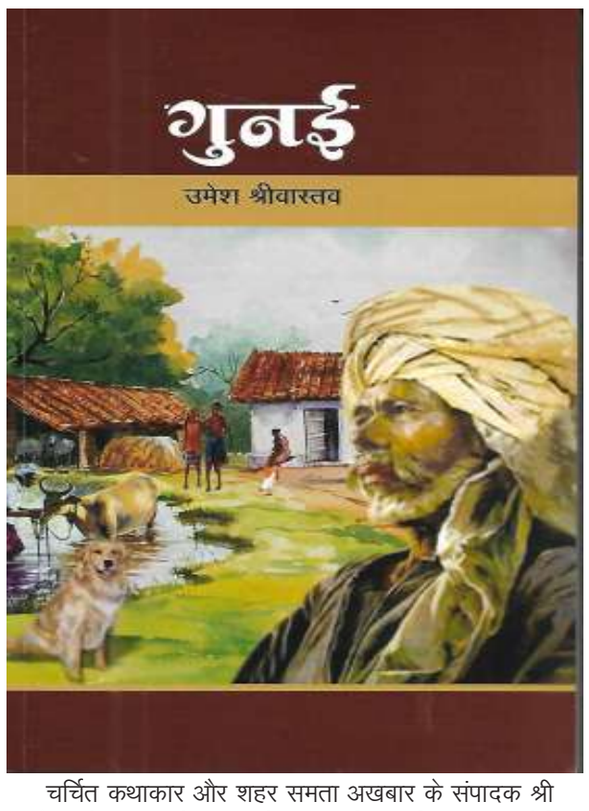

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

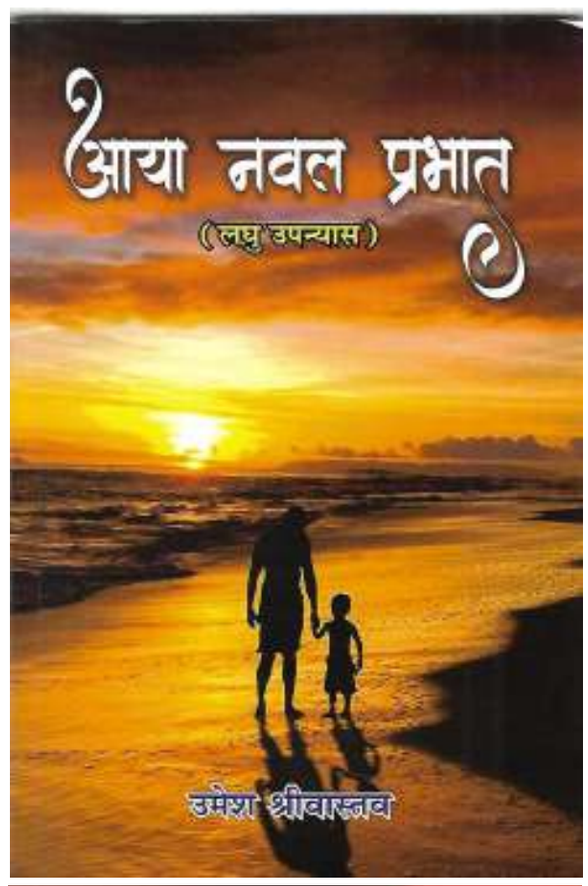

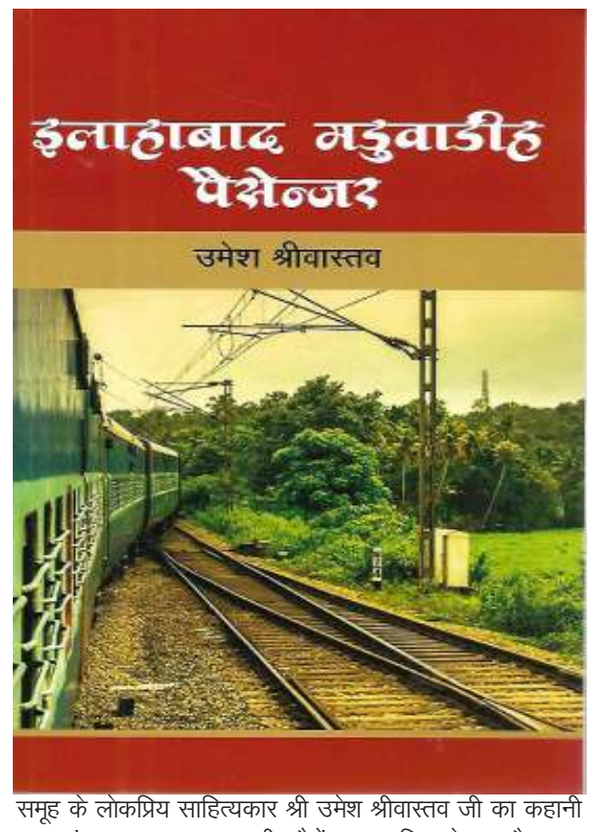

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

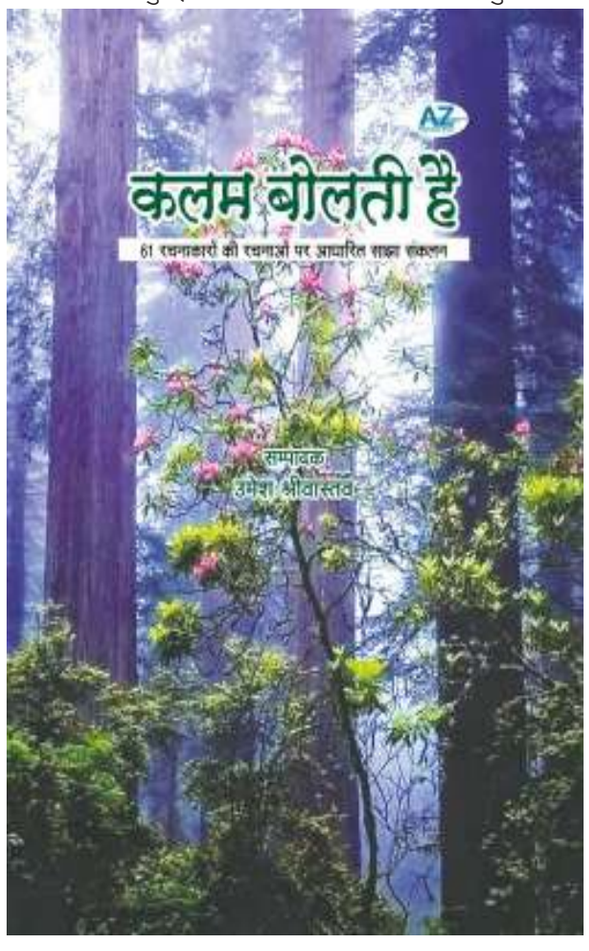

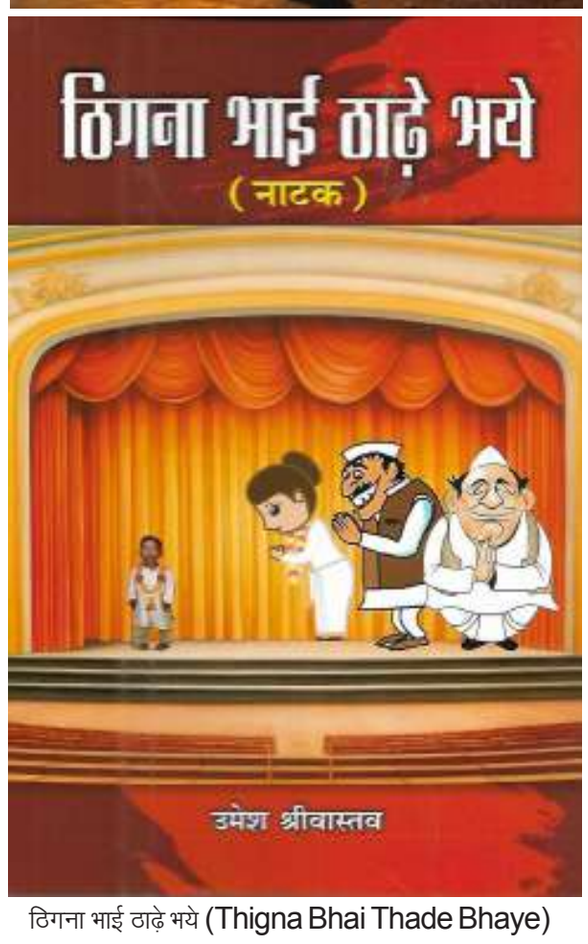

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

अमेरिका की एक चूक भारत को पड़ रही भारी,एम4 कार्बाइन कैसे जम्मू-कश्मीर में खतरा बन रही हैं?

सीमा पार करने वाले लगभग सभी आतंकवादियों के पास एके–47 राइफल और एम4 कार्बाइन हैं। इससे सुरक्षा बलों को काफी नुकसान हुआ है. एम4 राइफल पहली बार 2017 में जम्मू–कश्मीर में देखी गई थी, जब सुरक्षा बलों ने पुलवामा में जैश–ए–मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर के भतीजे तल्हा रशीद मसूद को मार गिराया था। तब से, कठुआ, रियासी, पुंछ और राजौरी में हुए हमलों सहित कई आतंकी घटनाओं में एम4 राइफलों का इस्तेमाल किया गया है। हाल ही में आई एक खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक, जम्मू–कश्मीर सीमा के पास लॉन्च पैड पर बड़ी संख्या में आतंकी जमा हो गए हैं और बर्फबारी से पहले ज्यादा से ज्यादा घुसपैठ कराने की कोशिश की जा रही है।

जम्मू–कश्मीर के अखनूर में मुठभेड़ में मारे गए तीन आतंकियों के पास से अमेरिकी एम4 राइफलें बरामद होने से सुरक्षा बलों में हड़कंप मच गया है। सेनाएं इस बात का आकलन कर रही हैं कि अफगानिस्तान से वापसी के दौरान अमेरिकी सेना द्वारा छोड़ी गई ये घातक राइफलें जम्मू–कश्मीर में आतंकवादियों तक कैसे पहुंच रही थीं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई भारत में सीमा पार करने वाले आतंकवादियों को इन शीर्ष श्रेणी के हथियारों की आपूर्ति कर रही थी, जो बुलेटप्रूफ वाहनों को भेदने की क्षमता रखते हैं। ये राइफलें स्टील की गोलियों से लैस हैं जो इतनी शक्तिशाली हैं कि मजबूत वाहनों और बुनियादी ढांचे को व्यापक नुकसान पहुंचा सकती हैं।

सूत्रों ने बताया कि सीमा पार करने वाले लगभग सभी आतंकवादियों के पास एके–47 राइफल और एम4 कार्बाइन हैं। इससे सुरक्षा बलों को काफी नुकसान हुआ है. एम4 राइफल पहली बार 2017 में जम्मू–कश्मीर में देखी गई थी, जब सुरक्षा बलों ने पुलवामा में जैश–ए–मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर के भतीजे तल्हा रशीद मसूद को मार गिराया था। तब से, कठुआ, रियासी, पुंछ और राजौरी में हुए हमलों सहित कई आतंकी घटनाओं में एम4 राइफलों का इस्तेमाल किया गया है। हाल ही में आई एक खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक, जम्मू–कश्मीर सीमा के पास लॉन्च पैड पर बड़ी संख्या में आतंकी जमा हो गए हैं और बर्फबारी से पहले ज्यादा से ज्यादा घुसपैठ कराने की कोशिश की जा रही है। हाल ही में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में एक उच्च स्तरीय बैठक हुई जिसमें आईएसआई अधिकारियों और आतंकवादी समूहों के शीर्ष कमांडरों ने भाग लिया। बैठक में आतंकियों को अमेरिका निर्मित एम4 कार्बाइन मुहैया कराने पर चर्चा हुई. उसी बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि कश्मीर घाटी में बड़े पैमाने पर हमलों को अंजाम देने के लिए ओवरग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) द्वारा रसद और सहायता प्रदान की जाएगी।

संक्षिप्त

चीन विरोधी, भारत के दोस्त...जानें ट्रंप के नए एनएसए के बारे में अहम बात

अमेरिकी राष्ट्रपति–चुनाव डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत कॉकस प्रमुख माइक वाल्ट्ज, एक सेवानिवृत्त आर्मी नेशनल गार्ड अधिकारी और युद्ध अनुभवी को अपना राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बनने के लिए कहा है। इस मामले से परिचित एक व्यक्ति ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया। जिस राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार

को सीनेट की पुष्टि की आवश्यकता नहीं होती है। वाल्ट्ज को महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों पर ट्रम्प को जानकारी देने का काम सौंपा जाएगा। यूक्रेन को हथियार उपलब्ध कराने के चल रहे प्रयास, रूस और उत्तर कोरिया के बीच बढ़ते गठबंधन के बारे में बढ़ती चिंताएं, मध्य पूर्व में ईरान समर्थित प्रॉक्सी द्वारा लगातार हमले और दबाव शामिल हैं। पूर्व–मध्य फ्लोरिडा से रिपब्लिकन पार्टी के तीन बार के सांसद वाल्ट्ज पिछले सप्ताह अमेरिकी संसद में निर्वाचित होने और आसानी से पुनरू चुनाव जीतने वाले अमेरिकी सेना के पहले पूर्व सदस्य हैं। वह ट्रंप के कट्टर समर्थक रहे हैं। उन्हें चीन के प्रति कठोर रुख रखने वाला माना जाता है और उन्होंने ही कोविड–19 की उत्पत्ति तथा चीन में मुस्लिम उइगर आबादी के उत्पीड़न के कारण बीजिंग में 2022 में हुए शीतकालीन ओलंपिक का अमेरिका द्वारा बहिष्कार करने का आह्वान किया था। उन्होंने नीति सलाहकार के रूप में पेंटागन में भी काम किया है। ट्रंप के सत्ता परिवर्तन अभियान की प्रवक्ता कैरोलाइन लीविट ने कहा, ''निर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप अपने दूसरे प्रशासन में काम करने वाले लोगों के बारे में जल्द ही फैसला लेना शुरू करेंगे। निर्णय लेने के बाद उनकी घोषणा की जाएगी। वाल्ट्ज, पूर्व–मध्य फ्लोरिडा से तीन बार के जीओपी कांग्रेसी, अमेरिकी सदन के लिए चुने गए पहले ग्रीन बेरेट थे और पिछले हफ्ते आसानी से दोबारा चुनाव जीत गए। वह तैयारी पर हाउस सशस्त्र सेवा उपसमिति के अध्यक्ष और हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी और इंटेलिजेंस पर स्थायी चयन समिति के सदस्य रहे हैं। ट्रम्प के वफादार वाल्ट्ज, जिन्होंने नेशनल गार्ड में कर्नल के रूप में भी काम किया है, ने एशिया–प्रशांत में चीनी गतिविधि ा की आलोचना की है और क्षेत्र में संभावित संघर्ष के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका को तैयार रहने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

इमिग्रेशन पॉलिसी पर सख्त हुए ट्रंप! टॉम होमन को दी अहम जिम्मेदारी

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद डॉनल्ड ट्रंप अपनी नई टीम चुन रहे हैं। उन्होंने देश की सीमाओं की जिम्मेदारी के लिए टॉम होमन को चुना है। टॉम ट्रंप के पहले कार्यकाल में इमिग्रेशन ऐंड कस्टम इन्फोर्समेंट विभाग में इग्जेक्युटिव डायरेक्टर

रह चुके हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा, श्मैं टॉम को लंबे समय से जानता हूं, और हमारी सीमाओं को कंट्रोल करने के मामले में उनसे बेहतर कोई नहीं है। टॉम अमेरिकी सीमाओं के प्रभारी होंगे। अवैध विदेशियों को उनके मूल देश वापस भेजने के प्रभारी होंगे। ट्रंप ने 40 वर्षीय एलिस स्टेफनिक को संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी एलिस स्टेफनिक और टॉम होमन राजदूत नियुक्त करने का ऐलान किया है। ट्रंप ने कहा, एलिस बहुत मजबूत और अमेरिका फर्स्ट समर्थक हैं। वह उपराष्ट्रपति के संभावित उम्मीदवारों में भी रही हैं। न्यू यॉर्क में पली–बढ़ीं एलिस ने हार्वर्ड से ग्रेजुएशन किया है। पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के प्रशासन में वह चीफ ऑफ स्टाफ के दफ्तर में काम कर चुकी हैं। ट्रंप ने अवैध प्रवास पर कड़ा रुख रखने वाले स्टिफन मिलर को डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ (पॉलिसी) नॉमिनेट किया है। डोनाल्ड ट्रंप के श्बॉर्डर जारश टॉम होमन ने कहा कि वो ट्रंप की योजना के अनुसार अमेरिका से लाखों प्रवासियों को बाहर निकाल देंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें इसकी परवाह नहीं है कि लोग उनके बारे में क्या सोचते हैं और खासकर वामपंथी उनके बारे में क्या सोचते हैं। मुझे इसकी परवाह नहीं है कि अवैध आप्रवासन जैसे किसी की राय क्या है। जब आप इतना बड़ा संकट पैदा करते हैं, तो ये अन्य सभी बुरी चीजें घटित होती हैं। टॉम होमन ने फॉक्स एंड फ्रेंड्स पर कहा कि हमें सीमा को सुरक्षित करना है। राष्ट्रपति ट्रम्प स्पष्ट रहे हैं। सार्वजनिक सुरक्षा खतरे और राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे प्राथमिकता होंगे।

नेपाल में भारतीय नागरिक सोने के साथ गिरफ्तार

काठमांडू के मुख्य प्रवेश बिंदु नागधुंगा के पास एक भारतीय नागरिक को बेहिसाबी सोने के साथ गिरफ्तार किया गया है। यह जानकारी पुलिस ने दी। नेपाल पुलिस मुख्यालय के अनुसार, नियमित सुरक्षा जांच के दौरान नेपाल पुलिस के मादक पदार्थ नियंत्रण ब्यूरो के एक दल ने उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले के निवासीकन्हैया लाल (27) को 356 ग्राम बेहिसाबी सोने के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने कहा कि लाल बिना किसी सहायक दस्तावेज के सोना लेकर एक यात्री बस में बुटवल से काठमांडू जा रहा था। पुलिस ने कहा कि मामले में आगे की जांच

अरब मुसलमान और अल-कादिसियाह की लड़ाई का वो स्थान...

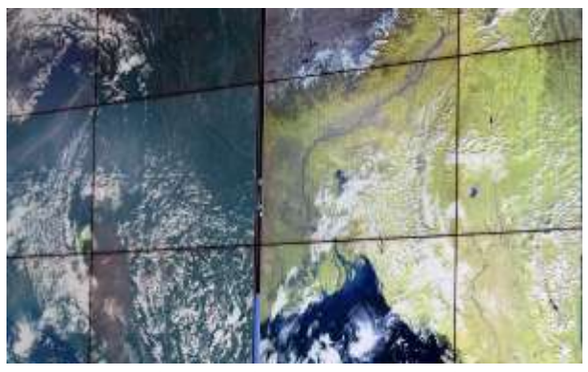

डरहम विश्वविद्यालय में पुरातात्विक रिमोट सेंसिंग के विशेषज्ञ विलियम डेडमैन ने सीएनएन को बताया कि यह खोज एक व्यापक परियोजना का हिस्सा थी जिसका उद्देश्य पूरे मध्य पूर्व में पुरातात्विक स्थलों की मैपिंग करना था। प्रारंभ में टीम 1970 के दशक की स्पाई सैटेलाइट इमेज और ऐतिहासिक ग्रंथों का उपयोग करके इराक में कुफा से सऊदी अरब में मक्का तक दरब जुबैदा तीर्थ मार्ग की मैपिंग कर रही थी। पहले कदम के रूप में उन्होंने ऐतिहासिक वृत्तांतों में उल्लिखित दूरियों का उपयोग करते हुए मानचित्र पर वृत्तों की एक श्रृंखला बनाई, इसके बाद उन क्षेत्रों पर करीब से नजर डाली जहां वे उपग्रह चित्रों पर ओवरलैप हुए थे। अमेरिकी स्पाई सैटेलाइट ने अवर्गीकृत इमेज की मदद से इराक में एक प्राचीन युद्ध स्थल की पहचान की है। यूनाइटेड किंगडम में डरहम विश्वविद्यालय और इराक में अल–कादिसियाह विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं का कहना है कि उन्हें 636 या 637 ईस्वी में हुई अल– कादिसियाह की लड़ाई का वो स्थान ढूढ़ लिया है। लड़ाई ने अरब मुसलमानों के लिए एक महत्वपूर्ण जीत दर्ज की और अरब से परे उनके विस्तार को सक्षम किया, इसका सटीक स्थान पहले से ज्ञात नहीं था। डरहम विश्वविद्यालय में पुरातात्विक रिमोट सेंसिंग के विशेषज्ञ विलियम डेडमैन ने सीएनएन को बताया कि यह खोज एक व्यापक परियोजना का हिस्सा थी जिसका उद्देश्य पूरे मध्य पूर्व में पुरातात्विक स्थलों की मैपिंग करना था। प्रारंभ में टीम 1970 के दशक की स्पाई सैटेलाइट इमेज और ऐतिहासिक ग्रंथों का उपयोग करके इराक में कुफा से सऊदी अरब में मक्का तक दरब जुबैदा तीर्थ मार्ग की मैपिंग कर रही थी। पहले कदम के रूप में उन्होंने ऐतिहासिक वृत्तांतों में उल्लिखित दूरियों का उपयोग करते हुए मानचित्र पर वृत्तों की एक श्रृंखला बनाई, इसके बाद उन क्षेत्रों पर करीब से नजर डाली जहां वे उपग्रह चित्रों पर ओवरलैप हुए थे। अल–कादिसियाह विश्वविद्यालय में पुरातत्व के प्रोफेसर जाफर जोथेरीने कहा कि मुख्य विशेषताएं एक गहरी खाई, दो किले और एक प्राचीन नदी थी जिसे कथित तौर पर एक बार हाथी पर सवार फारसी सैनिकों ने पार किया था। खोज. सर्वेक्षण दल को मिट्टी के बर्तनों के टुकड़े भी उस समयावधि के अनुरूप मिले जब युद्ध हुआ था। जोथेरी ने कहा कि उनकी पीढ़ी के इराकी सद्दाम हुसैन के शासन में पले–बढ़े थे, वे सभी लड़ाई से सूक्ष्म विवरण से परिचित थे।

अमेरिकी सेना ने सीरिया में ईरान समर्थित मिलिशिया के ठिकानों पर हमले किए

अमेरिका ने ईरान समर्थित मिलिशिया द्वारा पिछले 24 घंटे में उसके कर्मियों पर किए गए हमले के जवाब में सोमवार को सीरिया के दो स्थानों पर नौ ठिकानों पर हमले किए। 'यूएस सेंट्रल कमांड' ने यह जानकारी दी। हमलों में कोई भी अमेरिकी कर्मी घायल नहीं हुआ। सोमवार देर शाम तक पेंटागन ने न तो यह जानकारी दी कि सीरिया में अमेरिका के किन स्थानों पर हमला किया और न ही यह बताया कि बदले में अमेरिका ने किन स्थलों पर हमला किया। सीरिया में इस्लामिक स्टेट के आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई में सहयोगी बलों की सहायता करने के लिए अमेरिका के लगभग 900 कर्मी तैनात हैं। फरवरी में उसने जॉर्डन में ड्रोन हमले के जवाब में सीरिया में ईरान समर्थित मिलिशिया ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हमला किया था, जिसमें तीन अमेरिकी सैनिक मारे गए थे। इजराइल में सात अक्टूबर को हमास द्वारा किए गए हमले और गाजा में इजराइल के बड़े सैन्य अभियान के बाद से हमास के साथ संबद्ध ईरान समर्थित लड़ाकों ने इराक और सीरिया में अमेरिकी सैनिकों के ठिकानों पर ड्रोन तथा रॉकेट दागकर हमले किए हैं।

अमेरिका में तीन घरों में संदिग्ध हमलावर और चार अन्य लोग मृत पाए गएरू पुलिस

अमेरिका में कंसास राज्य के विचिटा शहर में एक ही इलाके में स्थित तीन घरों में पांच लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस का मानना है कि गोलीबारी के ये मामले एक–दूसरे से जुड़े हुए हैं। पुलिस प्रमुख जो सुलिवन ने कहा कि रविवार को मृत पाए गए लोगों में से एक संदिग्ध हमलावर था। पुलिस का मानना है कि सभी पांच लोग एक–दूसरे को जानते थे, हालांकि उनके आपस में संबंध का खुलासा नहीं किया गया है। पुलिस द्वारा जारी की गई एक विज्ञप्ति में बताया गया कि शाम 5:44 बजे गोलीबारी की सूचना पर अधिकारियों को बुलाया गया और उन्होंने एक घर के अंदर एक व्यक्ति को मृत पाया। उसकी मौत की सूचना पर अधिकारी उस स्थान से कुछ 'ब्लॉक' दूर एक घर पर गए और वहां तीन अन्य लोग भी मृत पाए गए। पुलिस ने बताया कि उस इलाके में जांच कर रहे अधिकारियों ने तीसरे घर की खिड़की से झांककर देखा तो वहां पांचवां व्यक्ति भी मृत पाया गया। सुलिवन ने पत्रकारों से कहा, ''पांच लोगों की गोली लगने से मौत हो गई है।'' हमें ऐसा लगता है कि जांच से यह पता लग जाएगा कि क्या मृतकों में से ही किसी एक ने अन्य लोगों को गोली मारी थी।

श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने संसदीय चुनाव को लेकर किए कई एलान, अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का भी वादा

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने गुरुवार को होने वाले संसदीय चुनाव के लिए प्रचार अभियान का समापन किया। इस दौरान उन्होंने अपनी नई सरकार के तहत अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का वादा करके किया। बता दें, सितंबर में चुनाव जीतने के बाद राष्ट्रपति दिसानायके ने भ्रष्टाचार से निपटने का वादा किया और अचानक से संसदीय चुनाव का एलान कर दिया था। पूर्व मार्क्सवादी समूह नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) मुख्य रूप से अपनी भ्रष्टाचार विरोधी नीतियों को लागू करने के लिए पूरी तरह से सशक्त विधानसभा की मांग कर रहा है, जहां उनका आरोप है कि 1948 से देश पर शासन करने वाले प्रमुख राजनीतिक दलों के सभी राजनेता इसके लिए जिम्मेदार हैं। निर्वाचित होने के बाद से सरकार ने पिछले कुछ मुद्दों को फिर से उठाया है। हालांकि, सरकार को राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के पिछले प्रशासन के कुछ कठिन आर्थिक सुधारों को उलटने में अपनी नाकामी के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा है। दिसानायके ने सोमवार को अपने अंतिम अभियान रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मार्च में पेश किए जाने वाले नए सरकारी बजट में, 'जितना कमाओ उतना भुगतान करो' कर में भारी कटौती की जाएगी। पिछले महीने राष्ट्रपति चुनाव में अनुरा कुमारा दिसानायके से हारने वाले निवर्तमान राष्ट्रपति विक्रमसिंघे 1977 के बाद पहली बार संसदीय चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। दिसानायके सरकार के सामने अब 2.9 अरब डॉलर के कार्यक्रम की तीसरी समीक्षा में राजस्व पर आईएमएफ के लक्ष्यों को पूरा करने की चुनौती है। चुनाव के दो दिन बाद आईएमएफ तीसरी समीक्षा के लिए यहां आएगा। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने कहा, श्हम फरवरी तक समीक्षा पूरी कर लेंगे। दिसानायके ने जोर देकर कहा कि 14 नवंबर को शासक वर्ग के शासन का युग जो 1948 से 75 साल से अधिक समय तक चला था, औपचारिक रूप से समाप्त हो जाएगा। उन्होंने कहा, श्एनपीपी के सदस्यों को चुनकर हमें एक मजबूत संसद दीजिए।

भारत ने फिर उठाई सुरक्षा परिषद में बदलाव की मांग, कहा- तभी इसकी वैधता और विश्वसनीयता बरकरार रहेगी

न्यूयॉर्क। भारत ने चेताया है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बदलाव की कोशिशों के नाम पर सिर्फ बहकाया जा रहा है और इससे सुरक्षा परिषद में विस्तार और इसमें एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के प्रतिनिधित्व को अनिश्चित काल के लिए टाला जा सकता है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में परिषद के सदस्यों को बढ़ाने और समान प्रतिनिधित्व के मुद्दे पर आयोजित बैठक में भारत के राजदूत पी हरीश ने ये बात कही। भारतीय राजदूत ने कहा कि यूएनएससी में सुधार की मांग कई दशकों से की जा रही है, इसके बावजूद यह निराशाजनक है कि साल 1965 के बाद से इसमें कोई भी बदलाव नहीं हुआ है। गौरतलब है कि 1965 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अस्थायी वर्ग में शामिल सदस्यों की संख्या में विस्तार किया गया था। उस समय अस्थायी निर्वाचित सदस्य देशों की संख्या छह से बढ़ाकर 10 की गई थी। अंतर सरकारी वार्ता की प्रक्रिया पर पी हरीश ने कहा कि इसके गठन के 16 साल बाद भी यह सिर्फ बयानों के आदान–प्रदान तक सीमित है। इसमें कोई समयसीमा तय नहीं है और न ही इसका कोई लक्ष्य तय किया गया है। भारतीय राजदूत ने जोर देकर कहा कि वह अंतर सरकारी वार्ता में वास्तविक ठोस प्रगति चाहता है और इसके लिए दो मामलों में सावधानी रखने की जरूरत है। पहला इसमें सदस्य राज्यों को अपना मॉडल प्रस्तुत करने के लिए अनिश्चित काल तक समयसीमा नहीं देनी चाहिए। न्यूनतम सीमा की खोज से उन्हें अपना मॉडल प्रस्तुत करने के लिए अनिश्चित अवधि तक प्रतीक्षा नहीं करनी चाहिए। साथ ही सर्वसम्मति बनाने में बहुत ज्यादा वक्त नहीं लगना चाहिए क्योंकि इससे सुरक्षा परिषद में संशोधन की प्रक्रिया अनिश्चित काल तक टल सकती है। भारतीय राजदूत ने कहा कि ग्लोबल साउथ का सदस्य होने के नाते भारत का मानना है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बदलाव से ही संयुक्त राष्ट्र की विश्वसनीयता और वैधता बरकरार रह सकती है।

बाकू में पेरिस समझौते के अनुच्छेद छह को अपनाने का फैसला

अजरबैजान की राजधानी बाकू में आयोजित हो रहे वैश्विक जलवायु वार्ता सम्मेलन के पहले दिन एक ऐतिहासिक फैसला हुआ। इस फैसले के तहत पेरिस समझौते के अनुच्छेद 6 को अपनाया गया। पेरिस समझौते के अनुच्छेद छह में वैश्विक कार्बन बाजार के गठन का प्रावधान है। साथ ही इस अनुच्छेद में वैश्विक कार्बन बाजार के संचालन संबंधी प्रावधान भी बताए गए हैं। इस दिशा में बीते कई वर्षों से कोई प्रगति नहीं हुई थी। अब इसके लागू होने की उम्मीद बंधी है। पेरिस समझौते का अनुच्छेद 6 कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की बात करता है। यह देशों और कंपनियों को कार्बन ऑफसेट का व्यापार करने के लिए दो रास्ते प्रदान करता है, जो कार्बन उत्सर्जन में कमी के लक्ष्यों को हासिल करने में मदद करते हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।